सुविचार

जीवन में सभी किसी न किसी पर भरोसा कर के जीते है, हमेशा कोशिश यही करे कि जो लोग आप पर विश्वास करते है, उनका विश्वास कभी न टूटे।

साप्ताहिक
युवा प्रदेश
Freedom Of Speech

RNI. NO. MPHIN/2015/76299

संपादक-नागेश नरवरिया

वर्ष 8, अंक-7 | www.yuvapradesh.in | भोपाल, शुक्रवार 24 मार्च 2023 | ypnews24@gmail.com | पृष्ठ -8 | मूल्य 2 रुपये

Mother's Basket
Kitchen Herbs & Spices
Swad jo pahuche dil tak

क्या है सामान्य विधि के अंतर्गत संरक्षण का मौलिक अधिकार जानिए/Fundamental of right....

गिरफ्तारी का एक सामान्य रूप है देश की अनेक सामान्य विधियों के अंतर्गत आये दिन गिरफ्तारियां की जाती हैं। कभी इन गिरफ्तारियां के ठोस कारण होते हैं तो कभी कभी आशंका(संदेह) के आधार पर गिरफ्तार कर लिया जाता है। अतः ऐसे गिरफ्तार व्यक्तियों को स्वतंत्रता एवं उनके अधिकारों की रक्षा के लिए न केवल सामान्य विधियों में संरक्षण संविधान के मौलिक अधिकार प्राप्त है जानिए।

- लेखक बीआर अहिरवार(एडवोकेट एवं विधिक सलाहकार होशंगाबाद) 9827737665

भारतीय संविधान अधिनियम,1950 के अनुच्छेद 22(1) की परिभाषा?

गिरफ्तार व्यक्ति का सबसे पहला अधिकार गिरफ्तारी का कारण जानने का है। गिरफ्तारी का कारण बताये बिना किसी व्यक्ति को अनावश्यक रूप से लम्बे समय तक कैद नहीं रखा जा सकता है। क्योंकि गिरफ्तारी का कारण जाने बिना गिरफ्तार व्यक्ति अपनी समुचित प्रतिरक्षा नहीं कर सकता है यहाँ तक कि जमानत पर छूट जाने के बाद भी उसका यह अधिकार बना रहता है, यह गिरफ्तार व्यक्ति का संवैधानिक एवं मौलिक अधिकार है।

ट्रस्ट(संस्था) के संरक्षक पर कब वाद दायर किया जा सकता है जानिए/CPC.....

ऐसा ट्रस्ट या संस्था या कोई धार्मिक ट्रस्ट जिसके गठन का उद्देश्य लोक हित या लोक-कल्याण कार्य होता है अगर उस संगठन के सदस्यों हित रखने वाले व्यक्ति को लगता है की ट्रस्ट या ट्रस्ट का संरक्षक आपने उद्देश्यों को पूरा नहीं कर रहा है तब ऐसी संस्था के खिलाफ वाद दायर करने की क्या कार्यवाही होगी जानिए।

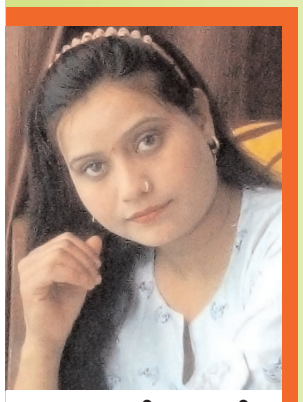

- कानूनी जानकारी लेखिका श्रीमती ज्योति सिंह चौहान मोबाईल 7999293638

सिविल प्रक्रिया संहिता,1908 की धारा 92 की परिभाषा?

किसी भलाई के उद्देश्य या धार्मिक प्रयोजन की दृष्टि से बनाया गया ट्रस्ट आपने उद्देश्य को पूरा नहीं करता है तब न्यायालय में

1. संरक्षक को हटाने के लिए।
2. संरक्षक की नई नियुक्त के लिए।
3. संरक्षक की संपत्ति की जाँच के लिए।
4. हटायें गए संरक्षक से ट्रस्ट की संपत्ति वापस लेने के लिए।
5. संस्था की लेखा-जोखा की जाँच के लिए आदि से सम्बंधित वाद न्यायालय में लाया जा सकता है।

वाद किसके द्वारा प्रस्तुत किया जाएगा जानिए-?

(क) न्यायालय के महाधिवक्ता द्वारा।

(ख) दो या दो से अधिक व्यक्ति जिनका हित ट्रस्ट में हिया हो वह क्षेत्राधिकार वाले न्यायालय की अनुमति से वाद दायर कर सकते हैं।

अगले 4 दिन ओले-तेज आंधी और बारिश

मध्यप्रदेश में नया सिस्टम एक्टिव, भोपाल-इंदौर में बादल, नरसिंहपुर-छिंदवाड़ा में बारिश

भोपाल। मध्यप्रदेश के कई जिलों में अगले 4 दिन तक ओले-तेज आंधी और बारिश जारी रहेगी। आज यानी शुक्रवार को भोपाल, इंदौर, जबलपुर-ग्वालियर में बादल छाए रहेंगे, तो नरसिंहपुर, छिंदवाड़ा, सिवनी, मंडला और बालाघाट में बारिश हो सकती है। मौसम वैज्ञानिकों की मानें, तो नया सिस्टम एक्टिव हो गया है। हालांकि ये सिस्टम पिछले दो सिस्टम की तरह स्ट्रॉन्ग तो नहीं, लेकिन किसानों की मुश्किलें जरूर बढ़ा सकता है। सीनियर मौसम वैज्ञानिक वेदप्रकाश सिंह ने बताया कि पश्चिमी विक्षोभ के एक्टिव होने से प्रदेश के उत्तरी-पूर्वी इलाकों में कहीं-कहीं हल्की बारिश और ओलावृष्टि का असर रहेगा। भोपाल, ग्वालियर, चंबल, रीवा, सागर, शहडोल, इंदौर, उज्जैन, जबलपुर और नर्मदापुरम संभाग में 27 मार्च तक मौसम का असर देखने को मिलेगा।

इसलिए बदला मौसम

मौसम वैज्ञानिक नरेंद्र मेश्राम ने बताया कि राजस्थान के ऊपर चक्रवात बना है। वहीं, श्रीलंका से नॉर्थ मध्यप्रदेश की तरफ ट्रफ लाइन आ गई है। हालांकि, यह पिछले दो सिस्टम जितनी स्ट्रॉन्ग नहीं है, लेकिन इसका असर प्रदेशभर में रहेगा। 24 मार्च से वेदर डिस्टर्बेंस का असर ज्यादा दिखेगा। इससे प्रदेश के कई जिलों में फिर ओले गिरेंगे, तो 40 से 60च्द्व प्रतिघंटे की स्पीड से आंधी चलेगी। मार्च महीने में यह तीसरा सिस्टम है।

भोपाल में आज बारिश के आसार

राजधानी में भी शुक्रवार को बारिश के आसार हैं। 15 मार्च को कहीं-कहीं बूंदाबांदी हो सकती है। इस दौरान ओलावृष्टि और तेज आंधी भी चल सकती है। इस बीच दिन का तापमान 33 और रात में पारा 18 डिग्री सेल्सियस तक रह सकता है।

कब, कहां बिगड़ेगा मौसम: 24 मार्च: नरसिंहपुर, छिंदवाड़ा, सिवनी, मंडला और बालाघाट जिले में गरज-चमक के साथ आकाशीय बिजली गरजने की संभावना रहेगी।

अमर शहीद हेमू कालानी की प्रतिमा मनुआभान टेकरी पर लगाई जाएगी - मुख्यमंत्री श्री चौहान

शहीद हेमू कालानी की गाथा स्कूली पाठ्यक्रम में पढ़ाई जायेगी

भोपाल। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि आज अमर शहीद हेमू कालानी का 100वां जन्म-दिवस है। उन्होंने 19 वर्ष की उम्र में फाँसी के फंदे को चूम लिया था। उन्होंने देश की स्वतंत्रता के लिए अपना सर्वस्व न्यौछावर किया। अमर शहीद हेमू कालानी की प्रतिमा भोपाल में मनुआभान टेकरी पर लगाई जायेगी। मुख्यमंत्री श्री चौहान अमर शहीद हेमू कालानी के जन्म-दिवस पर रविन्द्र भवन परिसर में सिंधी सेन्ट्रल पंचायत भोपाल के कार्यक्रम में शामिल हुए। सिंधी समाज के प्रतिनिधि और समाज के लोग उपस्थित थे। मुख्यमंत्री श्री चौहान को समाज के लोगों ने प्रतीक-चिन्ह भेंट किया। मुख्यमंत्री ने भजन वीडियो एलबम का विमोचन किया। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि अमर शहीद हेमू कालानी की गाथा प्रदेश के स्कूली पाठ्यक्रम में पढ़ाई जायेगी। वे सिंधी समाज और भारत माँ के

गौरव थे। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कार्यक्रम में शहीद हेमू कालानी की जीवन बलिदान गाथा पर केन्द्रित नाट्य भी देखा। उन्होंने नाट्य में किरदार निभाने वाले कलाकारों का सम्मान किया। कार्यक्रम में समाज के लोगों का सम्मान किया गया।

बहनों की आँखों में आँसू नहीं, आत्म-विश्वास भरी मुस्कान देखना चहता हूँ:मुख्यमंत्री श्री चौहान

भोपाल। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि मैं बहनों की आँखों में आँसू नहीं, सशक्त आत्म-विश्वास से भरी मुस्कान देखना चाहता हूँ। ईश्वर ने मुझे बहनों की जिंदगी बदलने के लिए मुख्यमंत्री बनाया है। हमारी सरकार बहनों के लिए सुख, समृद्धि, सुरक्षा और आनंद के मार्ग के साथ उनकी प्रगति के अवसर निर्मित करने के लिए प्रतिबद्ध है। बेटी को बोझ नहीं वरदान समझा जाए, इस उद्देश्य से ही प्रदेश में लाड़ली लक्ष्मी योजना आरंभ की गई। इसी क्रम में बहनों के आर्थिक सशक्तिकरण, आत्म-विश्वास और आत्म-सम्मान के लिए लाड़ली बहना योजना आरंभ की जा रही है। मुख्यमंत्री श्री चौहान चैत्र, शुक्ल और प्रतिपदा, गुड़ी पड़वा पर लाड़ली बहनों के संग- नवसंवत्सर पर्व कार्यक्रम में मुख्यमंत्री निवास पहुँची बहनों को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि मैं मुख्यमंत्री नहीं, भाई के रूप में अपनी बहनों से बात कर

रहा हूँ। यह वास्तविकता है कि माँ, बहन, बेटियों के साथ अन्याय हुआ है। यह भी वास्तविकता है कि समाज की मानसिकता के कारण बेटियों को कोख में ही मार दिया जाता था और समाज में बहन-बेटियों को दूसरे दर्जे का नागरिक बन कर रहने के लिए मजबूर होना पड़ता था। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि बहन-बेटियाँ यह दर्द, बेचैनी और पीड़ा क्यों सहें। इस स्थिति को बदलने के लिए ही हमारी सरकार ने बहन-बेटियों को सशक्त बनाने और उनके कल्याण के लिए योजनाएँ आरंभ की।

योजना बहनों के जीवन में नया विश्वास जगाएगी

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि परिवारों में बहनें, पैसों के लिए मोहताज और दूसरों पर निर्भर रहती हैं। बहनों के पास स्वयं और अपने बच्चों की बेहतरी पर खर्च करने के लिए पैसे नहीं होते हैं। विशेष रूप से गरीब और निम्न मध्यमवर्गीय परिवारों की महिलाओं की इस निर्भरता और बेचारगी की स्थिति को बदलने की तड़प मेरे मन में हमेशा बनी रही। मुख्यमंत्री ने कहा कि आर्थिक सशक्तिकरण आत्म-विश्वास और आत्म-सम्मान का आधार है। उन्होंने मनुष्य जीवन में धन के महत्व संबंधी महाभारत का एक प्रसंग सुनाते हुए कहा कि बहनों के सशक्तिकरण के लिए सीधे उनके खाते में पैसा डालने के उद्देश्य से मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना आरंभ की गई है।

आईएसएसएफ वर्ल्ड कप का आज तीसरा दिन

भारत के खाते में 4 मेडल, 10 भारतीय खिलाड़ियों फिर साधेंगे गोल्ड पर निशाना

भोपाल। इंटरनेशनल शूटिंग स्पोर्ट्स फेडरेशन (आईएसएसएफ) वर्ल्ड कप के तीसरे दिन आज 10 मीटर एयर राइफल वुमन और 10 मीटर एयर राइफल मेन के क्वालिफाइ राउंड के बाद फाइनल होगा। सुबह 9 बजे 10 मीटर एयर राइफल मेन के क्वालिफाइ राउंड होंगे जिसमें अलग अलग देशों के 35 खिलाड़ियों के अलावा 5 भारतीय खिलाड़ी शामिल होंगे, इसका फाइनल सुबह 11.15 पर शुरू होगा। इसी के साथ 10 मीटर एयर राइफल वुमन के क्वालिफाइ राउंड सुबह 11.15 बजे होंगे। इसका फाइनल दोपहर 12.30 बजे से शुरु होगा। इसके अलावा 25 मीटर पिस्टल वुमन क्वालिफिकेशन राउंड भी आयोजित किए जाएंगे। इन राउंड्स में कुल 52 खिलाड़ी भाग लेंगे। इसमें करीब 10 भारतीय खिलाड़ी शामिल होंगे। 10 मीटर एयर राइफल मिक्स टीम और 10 मीटर एयर पिस्टल मिक्स में भारत, श्रीलंका, मेक्सिको, कोरिया, कजाकिस्तान, बंगलादेश, जापान, हंगरी, स्विटजरलैंड, यूएसए, डेनमार्क, चेकिया, इजराइज, उज्बेकिस्तान आदि भाग लेंगे।

नर्मदापुरम जिले के अंतर्गत आने बाले ब्लॉक बनखेड़ी मैं सहायक सचिव

रमेश कुमार की खबर

नर्मदापुरम। मध्यप्रदेश के नर्मदापुरम जिले के अंतर्गत आने बाले ब्लॉक बनखेड़ी मैं सहायक सचिव संघ ने 20 से 31 तक कलम बंद हड़ताल पर जाने का निर्णय लिया। सरकार से असंतुष्ट होकर संगठन प्रदेश स्तर के आवाहन पर दिनांक 13.03 .2023 से 18 .3. 2023 तक सामूहिक अवकाश पर जाने का निर्णय लिया गया शासन को अपनी जायज मांगों पर विचार करने के लिए समय दिया गया था किंतु शासन द्वारा ग्राम सहायक की मांगों पर कोई विचार एवं आदेश नहीं किए जाने के कारण मध्य प्रदेश के सभी ग्राम रोजगार सहायक अपनी मांगों को लेकर दिनांक 10.03.2023 से 31.3. 2023 तक कलम बंद हड़ताल पर सामूहिक रूप से रहेंगे दिनांक 20.3.2023 से 31.3 .2023 तक सामूहिक कलम बंद हड़ताल पर रहेंगे सचिव संघ की मांग है की पंचायत सचिव के समकक्ष होने से 90न्त सहायक सचिव पर भी लागू कराया जाए जो कम से कम 30,000 रुपए प्रतिमाह करें ग्राम रोजगार सहायक को स्थानतरण नीति लागू कराया जाए आदेश दिनांक 6.7.2013 के बिंदु क्रमांक 6 के अनुसार निलंबन किया जाए एवं निलंबन अवधि में गुजारे भत्ते की पात्रता को ग्राम रोजगार सहायक की आकस्मिक दुर्घटना /मृत्यु होने पर अनुग्रह सहायता राशि 500000 एवं अनुकंपा नियुक्ति का प्रावधान हो पी एफ फंड का प्रावधान हो अगर इस हड़ताल पर प्रशासन की जल्द से जल्द सुनवाई नहीं हुई तो कई ग्रामों मैं काम स्थगित रह सकता है जिससे ग्रामों के लोग परेशान हो सकते हैं इसी समय नई योजना लाडली बहना योजना के दिनांक 25 से आवेदन होना तय है समय रहते शासन को कर्मचारियों की बात पर विचार किया जाना चाहिए जिससे ग्रामों में सुचारू रूप से काम हो सके।

शहीद मनीराम अहिरवार जी के सुपौत्र मूलचन्द मेधोनिया सम्मानित

चांदी की मूर्ति व पगड़ी के साथ दी जा रही बधाईयाँ

ठाणे (महाराष्ट्र) गटई चर्मकार समाज कामगार संगठन के तत्वावधान में संत शिरोमणि सतगुरु रविदास महाराज जी की जयंती एवं छत्रपति शिवाजी महाराज जी की जयंती महाराष्ट्र में प्रथम बार भीम शक्ति एवं शिव शक्ति मेला के रूप में मनाई गई। जिसमें मुख्य अतिथि श्री राजेन्द्र कबाडे थे। वहीं अतिथि के रूप में संत रविदास कल्याण फाउंडेशन भारत के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री महेश नंदमेहर व मीडिया प्रभारी मूलचन्द मेधोनिया सहसंपादक कबीर मिशन समाचार पत्र भोपाल रहे। जो कि मध्यप्रदेश के एकमात्र अनुसूचित जाति के वीर शहीद मनीराम जी अहिरवार के सुपौत्र है। जिन्हें महाराष्ट्रके संगठन के द्वारा आमंत्रित कर सम्मानित किया गया कि वह चर्मकार समाज के वीर मनीराम अहिरवार जी के सुपौत्र है। जिनका परिवार देश की आजादी से आज तक अपने शूरवीर मनीराम अहिरवार जी जिन्होंने महात्मा गांधी जी के आवाहन पर अपनी जान की बाजी लगा कर स्वतंत्रता आंदोलन में अंग्रेजी सेना से युद्ध लडा और उन्हें परास्त कर गांव से खदेड़ दिया था। ऐसे महान बलिदानी महापुरुषों अनुसूचित जाति के थे। जिन्हें संगठन संस्थापक /अध्यक्ष श्री राजा भाऊ चव्हाण जी ने वीआईपी पगड़ी बंधकर चमार गौरव से नवाजा गया। तथा कार्यक्रम के अवसर पर मुख्य अतिथि के द्वारा संत शिरोमणि सतगुरु रविदास महाराज जी की चांदी की मूर्ति देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर मध्यप्रदेश के संत शिरोमणि सतगुरु रविदास महाराज जी के अनुयायियों की उपस्थिति थी। जिन्होंने नारे लगा कर मांग की है कि आजादी के आन्दोलन में योगदान देने वाले वीर शहीद मनीराम जी अहिरवार को शहीद दर्जा दिलाने दिया जाये और उनके परिवार के उत्तराधिकारी मूलचन्द मेधोनिया को सम्मानित किया जाये। सरकार के द्वारा की जा रही अनदेखी की सर्वत्र निंदा की जा रही है। वहीं कहा जा रहा है कि अब तक की जो भी सरकारें रही उन्होंने चमार जाति के वीर शहीद, सेनानियों को सम्मान न देकर अन्याय किया है।

महाराष्ट्र की चमार जाति के लोगों ने सम्मेलन में प्रस्ताव पारित किया है कि यदि हमारे मध्यप्रदेश के अमर शहीद वीर मनीराम अहिरवार जी को राष्ट्रीय शहीद का दर्जा नहीं दिया तो सरकारों के विरुद्ध समूची चमार जाति देश में अभियान चला कर

उन्हें सम्मान दिलाने की पहल करेगें। सम्मेलन में सामाजिक लोगों के द्वारा आशा व्यक्त की है कि 4 अप्रैल 2023 को दिल्ली में आयोजित प्रथम चमार अधिवेशन के अवसर पर अमर शहीद वीर मनीराम अहिरवार जी की भी मांग उठाई जायेगी। मूलचन्द मेधोनिया के सम्मानित होने पर श्री कलीराम अहिरवार जी, श्री अशोक चिंतामण जी, श्री राजू मालवीय जी, श्री महेश नंदमेहर जी, श्री महेश अहिरवार जी, श्री संतोष चौधरी जी, श्री विक्रम चौधरी जी, श्री मुकेश अहिरवार जी, श्री चन्दभान खेमरे जी, श्री कौशल प्रसाद अहिरवार जी इत्यादि सामाजिक लोगों ने मूलचन्द मेधोनिया को सम्मानित होने पर उन्हें शुभकामनाएं दी है। तथा मध्यप्रदेश सरकार से मांग की है कि आजादी के अमर शहीद वीर मनीराम अहिरवार जी को राष्ट्रीय शहीद का दर्जा दिया जाये।

राजगढ़ कलेक्टर ने सुठालिया क्षेत्र के विभिन्न ग्रामों का किया भ्रमण

- अमृत सरोवहर तालाब, नल जल योजनाएं, आंगनवाड़ी भवन, ई-केवायसी का किया निरीक्षण

राजगढ़ से मुकेश अहिरवार के विशेष रिपोर्ट

राजगढ़। कलेक्टर श्री हर्ष दीक्षित ने सुठालिया तहसील के ग्राम पंचायत पहाड़गढ़, मोठबलड़ी में लाड़ली बहना योजना अंतर्गत चल रहें ई-केवायसी कार्य को देखा। साथ ही निर्देशित किया कि राशन दुकानों पर भी ई-केवायसी करें। साथ ही उन्होंने ग्राम बेड़ाबे में चल रहें अमृत सरोवर तालाब के कार्य का निरीक्षण किया एवं आवश्यक निर्देश दिए उन्होंने ग्राम दोबड़ा में आर.ई.यस द्वारा बनाए जा रहें आंगनबाड़ी भवन के कार्य का भी निरीक्षण किया। साथ ही निर्देशित किया कि भवन गुणवत्ता पूर्वक बनाया जाए और दोबड़ा ग्राम में ही बनाए गए,अमृत सरोहर तालाब का निरीक्षण भी किया। गाँव में ग्रामीणों द्वारा बताया कि कॉमन सर्विस सेंटर संचालक श्री दीपक सिलावट ई-केवायसी करने के प्रति महिला 50-50 रुपये ले रहें। जिस पर कलेक्टर श्री दीक्षित ने कॉमन सर्विस सेंटर संचालक से मौके पर ही महिलाओं को पैसे वापस करने के निर्देश दिए। अगर पैसे वापस नहीं करते हैं तो संबंधित के खिलाफ एफ.आई.आर दर्ज करने के निर्देश दिए। ग्राम पंचायत सचिव एवं रोजगार सहायक सचिव को नोटिस जारी करने के भी निर्देश दिए।

श्रमयोगी मानधन पेंशन योजना का लाभ लेने की अपील

राजगढ़ से मुकेश अहिरवार की विशेष रिपोर्ट

राजगढ। असंगठित श्रमिकों की सामाजिक सुरक्षा के दृष्टिगत केन्द्रीय श्रम मंत्रालय द्वारा प्रधानमंत्री श्रम योगी मानधन पेंशन योजना प्रारंभ की गई है। इस योजना के अंतर्गत 18 से 40 वर्ष आयु वर्ग के समस्त असंगठित क्षेत्र के श्रमिक जिनकी मासिक आय 15 हजार से कम है इस योजना के लिए पात्र होंगे। इस योजना के अंतर्गत नामांकन के लिए 18 से 40 वर्ष आयु वर्ग के श्रमिकों को प्रतिमाह 55 से 200 रूपये प्रीमियम के रूप मे जमा करना होगा एवं उतनी ही राशि भारत सरकार श्रम मंत्रालय द्वारा जमा की जाएगी जिसमें 50 प्रतिशत प्रीमियम की राशि भारत सरकार श्रम मंत्रालय द्वारा वहन की जाएगी श्रमिक की 60 वर्ष आयु पूर्ण होने पर बीमित व्यक्ति को 3 हजार प्रतिमाह रूपए पेंशन के रूप में प्राप्त होगी। इस योजना के संचालन के लिए भारतीय जीवन बीमा निगम को अधिकृत किया गया है इस योजना के लिए इच्छुक श्रमिक योजना का लाभ प्राप्त करने के लिए निकटतम कॉमन सर्विस सेंटर (कियोस्क) पर जाकर अपना नामांकन करा सकते हैं । नामांकन के समय श्रमिक को आधार कार्ड एवं बैंक खाता नंबर अनिवार्य रूप से देना होगा। प्रीमियम की प्रथम किश्त श्रमिक के आयु वर्ग के अनुसार 55 से 200 रूपये कॉमन सर्विस सेंटर में नगद जमा की जाएगी।

कांग्रेस अनुसूचित जाति विभाग के जिला अध्यक्ष श्री नथन महोबिया ने वीर शहीद मनीराम जी को सम्मान हेतु वचन पत्र 2023 में सम्मान की मांग की

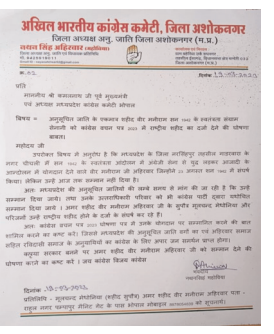

अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी, जिला अशोकनगर
जिला अध्यक्ष अनु. जाति जिला अशोकनगर (म.प्र.)

अशोकनगर। मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी भोपाल के कांग्रेस अनुसूचित जाति विभाग जिला अशोकनगर के सक्रिय कांग्रेस अनुसूचित जाति के नेता एवं ईसागढ विधायक प्रतिनिधि श्री नथन अहिरवार (महोबिया) ने माननीय श्री कमलनाथ जी पूर्व मुख्यमंत्री एवं कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष जी को पत्र लिखकर अनुरोध किया है कि मध्यप्रदेश के एकमात्र अनुसूचित जाति के वीर शहीद मनीराम अहिरवार जी को राष्ट्रीय शहीद का दर्जा दिलाने की मांग की है। उन्होंने मांग की है कि आजादी के लिए अंग्रेजों सेना से युद्ध लडा। तथा महात्मा गांधी जी के आवाहन पर स्वतंत्रता आंदोलन में अमूल्य योगदान दिया है। गौरतलब है कि वीर शहीद मनीराम जी को आज तक कोई सम्मान नहीं दिया गया है। जिसके परिणामस्वरूप सम्पूर्ण मध्यप्रदेश की अनुसूचित जाति वर्ग के द्वारा लम्बे समय से मांग की जा रही है कि हमारे वर्ग के महान पराक्रमी वीर मनीराम जी को राष्ट्रीय शहीद का दर्जा दिलाने के लिए कांग्रेस वचन पत्र 2023 में नाम शामिल कराने की मांग करते हुए उन्होंने एक पत्र लिखते हुए अनुरोध किया है कि कांग्रेस की सरकार मध्यप्रदेश में बनाने और समर्थन भरपूर प्राप्त होने के लिए आवश्यक है कि अमर शहीद वीर मनीराम अहिरवार जी को राष्ट्रीय शहीद का दर्जा दिया जाये।

सालो से सड़क का इंतजार कर रहे ग्रामीणों की उम्मीदों पर निराशा की झलक

- लोक निर्माण विभाग की टंडी कार्यप्रणाली के चलते टेंडर जारी करने के बाद अभी तक नही शुरू हो सका कार्य
- दो दर्जन से अधिक ग्रामीण इलाकों में सुचारू रूप से हो सकेगा आवागमन
- निर्माण कार्य शुरू करने से लेकर पूरा करने की अवधि भी गड़बड़ाई ठेकेदार की कार्यप्रणाली पर ग्रामीणों ने उठाए सवाल

राजगढ से मुकेश अहिरवार की विशेष रिपोर्ट

मध्य प्रदेश में शिवराज सरकार के तीन बार मुख्य मंत्री बनने के बाद अगर राजगढ़ में अभी भी विकास की बात करे तो चाटू खेड़ा क्षेत्र में प्रश्न चिन्ह ही सामने दिखाई देगा। मामला सड़क का ही नही बल्कि आमजन को लेकर सरकार की सुविधाओ को लोगो तक मुहैया करवाने में कही कोर कसर देखे तो यह कही खामियां नजर आएगी। अब बात करते है गांव से शहर तक कनेक्टिविटी की तो यह अभी तक जिले में यह कार्य पूर्ण रूप से असफल ही देखा जा सकता है। कोलूखेड़ा गांव से चाटू खेड़ा तक बनना हैं सड़क लोक निर्माण विभाग ने जारी कर दिए टेंडर ठेकेदार ने महीनो बाद अभी तक शुरू नहीं किया कार्य कालूखेड़ा गांव से चाटू खेड़ा तक करीब दूरीज. किमी हैं यह आसपास दर्जनों गांव में रहने

वाले लोगो को आवागमन में भारी परेशानी का सामना करना पड़ता है।खासकर प्रसूति महिलाओं को इस मार्ग से निकलने में बड़ी मशक्कत करना होता है।जननी एक्सप्रेस भी यह आने जाने में कतराती हैं। लेकिन सवाल सरकार की उन एजेंसियों पर उठता है जो इसका जिम्मा लेकर कार्य करवाती है।लोक निर्माण विभाग के कार्यप्रणाली यंत्री श्री आकाश दुबे अपनी कुर्सी को लेकर बिल्कुल गंभीर नही दिखे यह तक की अपने चुनिंदा मीडिया कर्मी को ही मामले में पक्ष रखते नजर आते हे। चाटू खेड़ा के दर्जनों ग्रामीणों ओर मौजूदा सरपंच प्रतिनिधि के साथ साथ पूर्व सरपंच से मामले में मांग कर मामले में गंभीरता से क्रू के प्रति जवाबदारी निभाने की बाते करते नजर आए। पूर्व सरपंच रामचंद्र चौहान ने क्षेत्रीय सांसद रोडमल नागर को कॉल करके इस मामले में पीड़ा सुनाई गई लेकिन सांसद रोडमल नागर का कहना था कि हमने भूमि पूजन कर दिया है।अब सवाल यह उठता है कि क्या भूमि पूजन की रस्म पूरी करने मात्र से लोगो को राहत मिल पाएगी। सड़क निर्माण में शामिल चाटू खेड़ा में करीब 500 मीटर की सीसी रोड नही बनने से चाटू खेड़ा में आए दिन कीचड़ में होते हादसे कोलू खेड़ा से चाटू खेड़ा तक बनाई जाने वाली सड़क में चाटू खेड़ा आबादी में कोलू खेड़ा की तरफ बनाई जाने वाले सीसी रोड जिसकी लंबाई लगभग500 मीटर के लगभग हैं और इतनी ही दूरी में कीचड़ गंदगी भरी हुई है।पानी की निकासी नहीं होने के चलते वह आए दो पहिया वाहन चालकों का यह गिरना पड़ना कोई नई बात नही है।जिला कलेक्टर हर्ष दीक्षित को कराया अवगत तो लोक निर्माण विभाग के कार्य पालन यंत्री से किया जवाब तल इस पूरे मामले में जब जिला कलेक्टर श्री हर्ष दीक्षित को अवगत कराया ओर साथ ही लोक निर्माण विभाग के कार्यपालन यंत्री आकाश दुबे के द्वारा कोई जवाबी कार्रवाई से दूर रहने के बारे में अवगत कराया गया जिला कलेक्टर श्री हर्ष दीक्षित ने लोक निर्माण विभाग के कार्यपालन यंत्री से जवाब तलब किया जहा श्री दुबे ने ठेकेदार को अंतिम चेतवानी दी गई ओर टेंडर निरस्त कर अग्रिम कार्यवाही का हवाला दिया गया।

अभिनव पंचोली को मध्यप्रदेश युवा कांग्रेस राजगढ़ जिला सोशल मीडिया संयोजक नियुक्त किए गए

राजगढ़ से मुकेश अहिरवार की विशेष रिपोर्ट

राजगढ़। पूर्व मुख्यमंत्री एवं राज्यसभा सदस्य आदरणीय दिग्विजय सिंह जी, प्रदेश अध्यक्ष आदरणीय कमलनाथ जी, प्रदेश प्रभारी जे पी अग्रवाल जी, चाचौड़ा विधायक आदरणीय लक्ष्मण सिंह जी, पूर्व केबिनेट मंत्री आदरणीय प्रियव्रत सिंह जी, पूर्व केबिनेट मंत्री आदरणीय जयवर्धन सिंह जी, युवा कांग्रेस राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीनिवास जी, राष्ट्रीय प्रभारी कृष्णा अल्लवरू जी, राष्ट्रीय सचिव अखिलेश यादव जी, राष्ट्रीय सचिव मान सिंह जी, राष्ट्रीय समन्वयक सोशल मीडिया मनु जैन जी, प्रदेश अध्यक्ष श्री विक्रांत भूरिया जी, सोशल मीडिया प्रदेश अध्यक्ष अखिलेश शर्मा जी, प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य सुमीत जी, पूर्व विधायक आदरणीय धूल सिंह यादव जी, पूर्व विधायक आदरणीय गिरीश भंडारी जी, जिला अध्यक्ष प्रकाश पुरोहित जी,जिला उपाध्यक्ष मदरूप सिंह जी,जिला उपाध्यक्ष गोविंद सिंह गुर्जर जी, पूर्व नगरपालिका अध्यक्ष मंजुलता शिवहरे जी, जिला अध्यक्ष हेमेंद्र चौहान जी की अनुशंसा पर अभिनव पंचोली को जिला सोशल मीडिया संयोजक नियुक्त किया गया। सभी कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

मृतक अशोक विश्वकर्मा के पत्नी ने लगाई जांच की गुहार

ज्ञानचंद शर्मा

डिंडोरी। शाहपुर थाना क्षेत्र ग्राम बिदयपुर निवासी अशोक विश्वकर्मा का शव सड़क किनारे मिला था 26 जनवरी 2023 को जिसकी जांच हेतु दर्जन भर लोग कलेक्ट्रेट पहुंचे और मृतक अशोक विश्वकर्मा की जांच की मांग की है। ग्रामीणों ने बताया कि अशोक विश्वकर्मा का मर्डर कर उसे एक्सीडेंट का रूप दिया गया है, जिसकी जांच कर आरोपियों के ऊपर कार्रवाई की मांग की है बताया गया कि मृतक का मोबाइल फोन आज तक नहीं मिला है जो भी संदेह के घेरे में है। इसकी शिकायत एसपी कार्यालय आकर दी है और गुहार लगाई है कि जल्द से जल्द जांच कर आरोपियों को तत्काल गिरफ्तार की जाए।

प्राचार्य की शिकायत पर जन शिक्षक निलंबित सिरोंज किया अटैच

हैदरगढ। हैदरगढ़ के संकुल प्राचार्य से अभद्र व्यवहार करना जनशिक्षक रामशंकर सोनी को भारी पड़ गया है , कलेक्टर ने तत्काल प्रभाव से उनको निलंबित कर दिया है, उल्लेखनीय है कि संकुल प्राचार्य अविनाश शर्मा ने जन शिक्षा केन्द्र का निरीक्षण किया था, जहां ताले लगे पाए गए थे, जिसकी सूचना जिले के बरिष्ठ अधिकारियों को दी गई थी, इस बात से नाराज होकर जन शिक्षक राम शंकर सोनी ने संकुल प्राचार्य श्री अविनाश शर्मा से अभद्र भाषा का प्रयोग किया था, जनशिक्षक रामशंकर सोनी ने बोर्ड परीक्षा में शिक्षकों की ड्यूटी लगाने से मना कर दिया था, जिसे कर्तव्यों के प्रति उदासीनता एवं उद्दंडता माना गया, जांच के उपरांत जिले के कलेक्टर द्वारा जनशिक्षक रामशंकर सोनी को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया एवं सिरोंज विकासखण्ड कार्यालय में अटैच कर दिया है ।

मोहनपुरा डैम ने बदल दिया, ग्रामीणों का जीवन स्तर न सिर्फ खेती बल्कि शिक्षा और स्वास्थ्य के प्रति भी बड़ी रुचि

मुकेश अहिरवार की विशेष रिपोर्ट

राजगढ। देश के सर्वश्रेष्ठ प्रबंधन संस्थान आई.आई.एम. अहमदाबाद के छात्र इन दिनों जिले के दौरे पर है। जो राजगढ़ जिले में संचालित हो रही विभिन्न योजनाओं के साथ ही अलग-अलग निर्माण कार्यों को भी देख रहे है। इसी क्रम में आज वह मोहनपुरा डैम के साथ ही डैम से प्रभावित हुए किसानों से मिलने पहुंचे और यह पानी किस तरह गाँव-गाँव पहुंच रहा है, इसकी जानकारी ली। सबसे पहले यह छात्र मोहनपुरा डैम परियोजना के प्लांट पर पहुंचे। जहां से अलग-अलग गांव तक नेहर के माध्यम से पानी पहुंचाया जा रहा है, इंजीनियर से पूरी जानकारी ली। पानी किस तरह से लिफ्ट किया जा रहा है और किस तरह से यह पानी गांव में पहुंचाया जा रहा है। इसके प्रेशर और जगह-जगह बनाए गए विभिन्न पॉइंट की जानकारी ली। इसके बाद सभी छात्रों ने प्रभावित हुए किसानों से मिलने के लिए पहुंचे। जहां उन्हें पर्याप्त मुआवजा मिलने के बाद ना सिर्फ उन्होंने नई जमीन खरीदी बल्कि मकानों का निर्माण करते हुए खेती का तरीका भी बदल लिया है, इतना ही नहीं मोहनपुरा डेम से पहुंच रहे पानी के बाद खेती का स्तर तो सुधरा हुवा ही है इसके अलावा उन्होंने शिक्षा में भी रूचि लेना शुरू कर दिया है। बच्चों को स्कूल भेजने के साथ ही आसपास के क्षेत्र को स्वच्छ कैसे बनाया जाए इस पर भी अब ग्रामीण ज्यादा ध्यान दे रहे हैं।

रुक रहा पलायन

ग्रामीणों से जब उन्होंने बात की तो बताया कि मोहनपुरा डैम जब नहीं था।तब क्षेत्र से बड़ी संख्या में ग्रामीण पलायन कर जाते थे और कटाई के दौरान वह लंबे समय तक बाहर ही रहते थे यही नहीं रोजगार की तलाश भी उनकी बड़ी समस्या थी जिसके कारण दिल्ली, गुजरात और महाराष्ट्र जैसे प्रदेशों में वह काम करने के लिए चले जाते थे। लेकिन अब उन्हें अपनी जमीन पर ही पर्याप्त काम मिल रहा है। जिसके कारण पलायन बहुत हद तक रुका है।कलेक्टर श्री हर्ष दीक्षित के मार्गदर्शन में आई.आई.एम अहमदाबाद से आए छात्र श्री शोम घोष,श्री साई सूर्य दुग्गीराला ने मोहनपुरा डैम की देश की पहेली प्रेशर राईस प्रणाली को बारीकी से जाना एवं डैम से आए सामाजिक परिवर्तन एवं आकलन की जानकारी ली।इस अवसर पर महात्मा गांधी पहले श्री मयंक साहू भी साथ रहे।

मध्यप्रदेश से सामाजिक कार्यकर्ता अतरसिंह ने दिल्ली में मजदूरों के हक में दिया धरना।

दिल्ली। भले ही केंद्र और प्रदेश सरकारें ढिंढोरा पीटती हों कि गरीबों की सरकारें हैं लेकिन हकीकत कुछ और ही है। पिछले एक सप्ताह से जंतर मंतर मैदान दिल्ली में देश के विभिन्न प्रदेशों से आए हजारों नरेगा (मनरेगा) मजदूरों का अनिश्चित कालीन धरना प्रदर्शन जारी है। मध्यप्रदेश से मजदूरों के युवा नेता अतरसिंह ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि मजदूरों को भारत में दोयम दर्जे का समझा जाता रहा है जो कि गलत है। न्यूनतम मजदूरी नहीं मिलती है और न सरकारों ने मजदूरों के उज्वल भविष्य के लिए कोई विशेष प्रावधान किए हैं। आसमान छूती हुई महगाई में मजदूरों के बच्चे निजी स्कूलों में नहीं पढ़ सकते हैं। अतः श्री सिंह ने जोर देकर कहा कि मनरेगा मजदूरों को 600 रुपए प्रति दिन की दर से मजदूरी मिलना चाहिए साथ ही ऐप को हटा दिया जाए। दिनांक 21 मार्च 2023 को मध्यप्रदेश की ओर से भी आवाज बुलंद करते हुए मजदूरों ने एक जुटता दिखाई और सरकार को चेताया कि शीघ्र ही हमारी मांगे पूरी करें धरना से नहीं उठेंगे।

जनजाति कार्य विभाग के प्रभारी सहायक आयुक्त और प्रभारी संभागीय उपायुक्त की लापरवाही के कारण दलित आदिवासी छात्राएं की स्थिति बदहालः परिसंघ

मूलचन्द मेधोनिया पत्रकार भोपाल

ग्वालियर। अनुसूचित जाति जनजाति संगठनों के अखिल भारतीय परिसंघ के प्रांतीय प्रवक्ता एडवोकेट जयंतीलाल जाटव ÷बाबा÷ ने आज प्रेस को जारी विज्ञप्ति में रोष व्यक्त करते हुए कहा है कि जनजाति कार्य विभाग जिला गवालियर के प्रभारी सहायक आयुक्त हरी बाबू शर्मा और प्रभारी संभागीय उपाय श्रीमती उषा पाठक की लापरवाही के कारण जनजाति कार्य विभाग के छात्रावासों में रह रही छात्राएं बेहाल हैं छात्रावास की तरफ इन दोनों अधिकारियों का कोई ध्यान नहीं है, अनुसूचित जाति जनजाति के कल्याण के नाम पर उक्त दोनों अधिकारी विभाग में भ्रष्टाचार करने में मस्त हैं, दलित आदिवासियों का कल्याण करने के स्थान पर अपना कल्याण करने में लगे हुए हैं, इसलिए छात्रावासों की तरफ कोई ध्यान नहीं है शासन प्रशासन भी इन दोनों अधिकारियों के खिलाफ कार्यवाही करने के स्थान पर पत्राचार कर खानापूर्ति करने में लगा है। अनुसूचित जाति कन्या छात्रावास सीपी कॉलोनी मुरार की कक्षा 11 की तीन नाबालिक छात्राएं ग्वालियर से शिवपुरी शहर के रेलवे स्टेशन

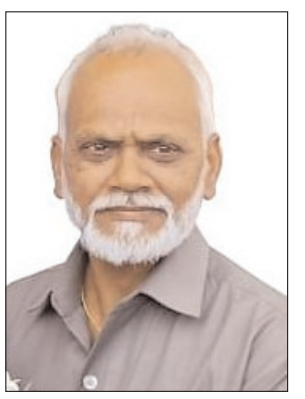

कैसे पहुंच द्य यदि इन अधिकारियों द्वारा समय रहते छात्रावास अधीक्षकों खिलाफ कार्यवाही की जाए तो ऐसी घटना नहीं होगी, अधिकारियों की इस तरह की लापरवाही से यह साफ दिखता है कि दलित आदिवासियों के कल्याण की तरफ इनकी रुचि नहीं हैद्य सोशल मीडिया के माध्यम से पता चला है कि भोपाल इंटरसिटी से शिवपुरी रेलवे स्टेशन पर उतरी तीन नाबालिग किशोरीयों को शिवपुरी की जीआरपी पुलिस ने संदेह के आधार पर पकड लिया। जब इनसे पूछताछ की तो वह सही से जवाब नहीं दे पाई। जिसके चलते पुलिस को शक हुआ और जीआरपी की टीम ने इस नाबालिग किशोरियों को चाईल्डलाईन को बुलाकर सुर्पुद कर दिया।यह तीनों किशोरीयां संदिग्ध लगी तो टीम ने इनसे पूछताछ की। तो वह पुलिस को सही से जबाव नहीं दे पाई। जिसके चलते टीम ने तत्काल चाईल्ड लाईन की टीम को इस मामले की सूचना दी। जब किशोरीयों से पूछताछ की तो पहले तो वह टीम को गुमराह करती रही। परंतु जब सही से पूछताछ की तो उन्होंने पूरी कहानी बताई।तीनों किशोरीयों ने बताया कि वह कक्षा 11 वीं की स्टूडेंट है और वह मुरार ग्वालियर में स्थिति अनुसूचित जाति छात्रावास की छात्राएं है। उनके द्वारा बताया है कि उनके मित्र शिवपुरी में रहते है। जिसके चलते वह इसने मिलने शिवपुरी आई थी। जहां जीआरपी की टीम ने उन्हें पकड लिया। चाईल्ड हेल्पलाईन ने इसकी काउसंलिंग कर परिजनों को बुलाया। जहां दो किशोरीयां अपने परिजनों के साथ चली गई। जबकि एक किशोरी के परिजन नहीं आने के चलते उसे वन स्टॉप सेंटर में भेज दिया।इनका कहना है हमारा स्टाफ सबारियों की चैकिंग कर रहा था। जहां यह तीनों किशोरीयां ट्रेन से उतरी तो वह कुछ संदिग्ध लगी। जिसके चलते स्टाफ ने मुझे सूचना दी थी। वहां इन लडकियों को लेने एक लडका भी आ गया था। परिसंघ के प्रांतीय प्रवक्ता एडवोकेट जयंती लाल जाटव ने बताया कि छात्रावास से लड़कियाँ कैसे लापता हो गई गंभीर मामला हैद्य परिसंघ के एडवोकेट जयंती लाल जाटव, राम रतन जाटव, इंजी आशीष रायपुरिया, तरुण राजोरिया, मुकेश सिंघानिया, धर्मेंद्र सिंह सगर,बलवंत सिंह मिलन, हरविलाश इंदौरिया, जी पी आर्य, जितेंद्र कासोटिया मनीष दोहरे, गंगा राम चौधरी,राहुल बौद्ध, सुरेश यादव, आदि ने विभाग के जिम्मेदार अधिकारियों के विरुद्ध तत्काल कार्यवाही करने की मांग की है और इस प्रकरण की संपूर्ण निष्पक्ष जांच करने के लिए संभागीय प्रभारी उपायुक्त प्रभारी सहायक आयुक्त ग्वालियर को पदों से हटाने की मांग की है ताकि निष्पक्ष जांच हो सके।

साहब या तो हमारे गांव से पटवारी का स्थानांतरण कर दो,नही तो हमें इस देश से निकाल दो,ग्रामीण किसानों में लगाएं हल्का पटवारी पर कई गंभीर आरोप

राजगढ़ से मुकेश अहिरवार की विशेष रिपोर्ट

राजगढ जिले के ब्यावरा ब्लॉक के तहत आने वाले सुठालिया टप्पा क्षेत्र के तहत आने वाली ग्राम पंचायत बेलास के ग्रामीण किसान हल्का पटवारी अवधेश पारीक से इतने परेशान हैं की ,किसानों का कहना हैं की साहब या तो हमारे गांव से पटवारी का स्थानांतरण कर दो,नही तो हमें इस देश से निकाल दो,बताया जा रहा हैं हल्का पटवारी ग्रामीण किसानों से पैसे लेने के बाद भी उलझा कर रखते हैं,ओर काम करते ही नहीं,ओर अगर कोई व्यक्ति उक्त मामले की शिकायत करते हैं तो उन्हें डरा धमका दिया जाता हैं ओर उक्त किसानों के पैसे भी वापस कर दिया जाता हैं,फिर किसान और परेशान होता रहता हैं,इधर ग्राम पंचायत बैलाश ओर चाचाखेड़ी ग्राम बेलाश निवासी दोल जी पिता बापुलाल सोंधीया की खसरा नकल में दोल जी के नाम पर धूल जी गोरी लाल का का अब नाम दर्ज कर दिया गया, आपको बता दे की इस मामले में उक्त व्यक्ति का नाम कटवाने हल्का पटवारी अवधेश पारिख

को वर्ष 2020 से आज तक आवेदन निवेदन करते आ रहे हैं, लेकिन कोई सुनवाई नहीं, , वही बापूलाल पिता रामलाल सोंधीया की पुस्तानी भूमि हैं ओर अब आनलाइल नाम नही दिख रहा हैं ,(नाम काट रखा हैं,) जिसके कारण किसानों को ऋण लेने, बीमा और अन्य शासन की योजना का लाभ नहीं मिल पा रहा है ,इधर चाचाखेड़ी पंचायत के हल्का में आने वाले ग्राम भगोरा निवासी किसान करण सिंह सौंधीया, माधु सिंह सोंधीया,इन दोनो किसानों की चाचाखेड़ी हल्का में भूमि स्थित हैं,भूमि नामांतरण करवाने के लिए हजारों की रिश्वत मांगी जाती हैं,वही इनके द्वारा दो वर्ष पूर्व से नामांतरण के लिए भटक रहे हैं,जबकि उक्त किसान को प्रतिदिन फ़ोन लगाते हैं तो हल्का पटवारी द्वारा ठीक से जवाब नही देते हैं और किसानों को डरा धमका कर बोलते हैं की मेरी शिकायत कर दो,में अधिकारियों से निपट लूंगा, किसानों द्वारा उक्त मामले की शिकायत विकास यात्रा में भी करते हुए , सीएम हेल्पलाइन 181 पर भी शिकायत दर्ज करा दी थी,लेकिन ऊपर ही ऊपर शिकायत खत्म कर दी जाती हैं, ग्राम पंचायत चाचाखेड़ी निवासी बिकम सिंह लोधा पिता किशनलाल ने बताया की मेरा मकान तो चाचा खेड़ी में और लोहारी गांव में दर्ज कर रखा हैं ,भूमि का मामले में उक्त किसान के पास पट्टी नहीं हैं जिसके कारण हल्का पटवारी कोई सुनवाई नहीं करते हैं।

आवश्यकता

युवा प्रदेश नेटवर्क

मध्यप्रदेश के सभी जिले व तहसीलों में संवाददाता नियुक्त किये जाने है। इच्छुक व्यक्ति संपर्क करें।

युवा प्रदेश नेटवर्क,
प्रधान संपादक-नागेश नरवरिया
मो.- 9425156055-9755364204

नव क्रांति के पुरोधा-भास्कर राव रोकडे जी का स्वागत किया शहीद सुपौत्र मूलचन्द मेधोनिया ने

भोपाल। सुप्रसिद्ध विचारक व लेखक श्री भास्कर राव रोकडे ने शिक्षित बेरोजगार युवाओं की समस्याओं का शोधरक अध्ययन कर समस्याओं के समाधान हेतु व्यापार अभियान शुरु किया है। नव - क्रांति हेतु संकलित सम्यक अभियान का शुभारंभ रीवा के ऐतिहासिक पदमधर पार्क से 2 मई 2022 को किया। प्रदेश में अभियान के जोर पकड़ने के बाद मध्यप्रदेश के स्थापना दिवस के दिन 1 नबम्वर 2022 से रायसेन जिले के बरेली नगर से प्रदेश में नव क्रांति लाने के संकल्प के साथ 45 दिवसीय प्रदेश व्यापी सम्यक यात्रा शुरु की गई। इस यात्रा का समापन 25 दिसंबर 2022 को रायसेन जिले के मंडीदीप में हुआ। इसके पश्चात प्रदेश के प्रमुख नगरों में युवाओं द्वारा बाइक रैली निकाली गई तथा ग्रामीण व नगरीय क्षेत्रों में युवा संगठित होकर सम्यक अभियान पर चर्चा कर बड़े पैमाने पर संगठित हुये है। 22 मार्च 2023 को मुक्ताकाश मंच, रविन्द्र भवन भोपाल में सम्यक अभियान का प्रदेश स्तरीय कार्यकर्ता सम्मेलन आयोजित किया गया। इस अवसर पर श्री रोकडे जी ने युवाओं व कार्यकर्ताओ की सहमति से शिक्षित बेरोजगार

युवाओं हेतु लिए गए संकल्पों को पूरा करने के उद्देश्य से बड़े बदलाव हेतु राजनैतिक पार्टी में जाने का निर्णय लिया। इस निर्णय का मध्यप्रदेश के पूर्व मंत्री श्री हर्ष यादव जी, पूर्व मंत्री श्री पी. सी. शर्मा जी ने एवं विधायकों में श्री बैजनाथ कुशवाहा जी, रामलखन पटैल जी सहित मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी भोपाल के प्रदेश उपाध्यक्ष श्री दामोदर यादव जी, श्री सुनील बोरसे जी, डॉ. श्री विक्रम चौधरी जी, श्री बलवान सिंह कुशवाहा जी, सहित सैकड़ों कांग्रेस नेताओं ने श्री भास्कर राव रोकडे जी के फैसले का स्वागत किया है। तथा सभी वरिष्ठ नेताओं ने सम्मेलन के माध्यम से आश्वस्त किया है कि श्री रोकडे जी के समस्त निर्णय को स्वीकार्य किये जायेंगे। तथा उनके द्वारा जो भी प्रस्ताव प्रस्तुत किए जायेगें उन्हें प्राथमिकता से कांग्रेस मानेंगी। इस अवसर पर मध्यप्रदेश के एकमात्र अनुसूचित जाति के वीर शहीद मनीराम अहिरवार जी के सुपौत्र मूलचन्द मेधोनिया जी ने मंच पर लोकनीति के पैरोकार आदर्श दर्शन के प्रणेता, सुप्रसिद्ध विचारक व लेखक माननीय श्री भास्कर राव रोकडे का गुलदस्ता भेंट कर उनके द्वारा बेरोजगारों, गरीबों, असहायों और अनुसूचित जाति व जनजातियों के हितों के लिये गये फैसला पर उनका आत्मिक स्वागत करते हुए आशा की है कि वह कांग्रेस से अमर शहीद वीर मनीराम अहिरवार जी को राष्ट्रीय शहीद का दर्जा दिलाने की मांग का समर्थन प्रदान कर एकमात्र अनुसूचित जाति के क्रांतिकारी वीर सपूत मनीराम अहिरवार जी को इतिहास के पन्नों में नाम दर्ज कराने और उनके जन्म स्थान चीचली तहसील गाडरवारा जिला नरसिंहपुर मध्यप्रदेश में स्मारक और प्रदेश की राजधानी भोपाल में विशाल भवन निर्माण कराने का भरपूर समर्थन देकर प्रदेश की अनुसूचित जाति वर्ग को गौरवान्वित कराने व शहीद वीर मनीराम अहिरवार जी की याद स्मरणीय रहने हेतु उनके उत्तराधिकारी परिवार की भी सम्बन्धित मांगों के हित में सहयोग प्रदान करेगें।

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल का पत्रकारों के हित में बड़ा निर्णय

लक्ष्मण पिल्लई की खबर

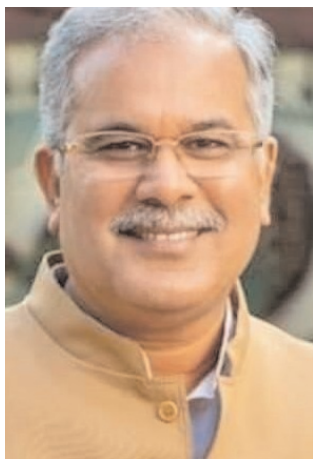

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की अध्यक्षता में आज मंत्री परिषद की बैठक में पत्रकारों की सुरक्षा के लिए छत्तीसगढ़ मीडिया कर्मी सुरक्षा विधेयक- 2023 के प्रारूप का अनुमोदन किया गया है। इस विधेयक का अनुमोदन किये जाने पर पूरे प्रदेश के पत्रकारों की तरफ से रायपुर प्रेस क्लब के अध्यक्ष श्री दामु आम्बेडारे ने मुख्यमंत्री के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा है कि मुख्यमंत्री ने संवेदनशीलता के साथ विचार कर मीडिया कर्मियों की भावनाओं का सम्मान करते हुए सुरक्षा कानून लागू करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया है। इससे मीडिया के साथी अधिक उत्साह के साथ जनहित में अपना कर्तव्य निभा सकेंगे। श्री दामु आम्बेडारे ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री बघेल ने पत्रकारों की सुरक्षा के लिए कानून बनाने हेतु कमेटी बनाई। सुरक्षा विधेयक का मसौदा तैयार कराया और अब कैबिनेट की बैठक में प्राथमिकता के साथ उसका अनुमोदन कर छत्तीसगढ़ के मीडिया कर्मियों की वर्षों पुरानी मांग पूर्ण कर दी है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल पत्रकार कल्याण की हर मांग पर बेहद संवेदनशील हैं। उन्होंने पत्रकारो के हित में अधिमान्यता का दायरा बढ़ाने के साथ ही, नियमों में सरलता लाकर मीडिया कर्मियों के प्रति सदाशयता दिखाई है। मुख्यमंत्री ने पत्रकार सम्मान निधि 5 हजार से बढ़ाकर 10 हजार रुपये प्रतिमाह की है। इसके साथ ही बजट में पत्रकार गृह निर्माण अनुदान योजना के शुरू किए जाने का प्रावधान किया है जिसके लिए 50 लाख रूपए का प्रावधान किया गया है।

श्रमयोगी मानधन पेंशन योजना का लाभ लेने की अपील

राजगढ़ से मुकेश अहिरवार की विशेष रिपोर्ट

राजगढ़। असंगठित श्रमिकों की सामाजिक सुरक्षा के दृष्टिगत केन्द्रीय श्रम मंत्रालय द्वारा प्रधानमंत्री श्रम योगी मानधन पेंशन योजना प्रारंभ की गई है। इस योजना के अंतर्गत 18 से 40 वर्ष आयु वर्ग के समस्त असंगठित क्षेत्र के श्रमिक जिनकी मासिक आय 15 हजार से कम है इस योजना के लिए पात्र होंगे। इस योजना के अंतर्गत नामांकन के लिए 18 से 40 वर्ष आयु वर्ग के श्रमिकों को प्रतिमाह 55 से 200 रूपये प्रीमियम के रूप मे जमा करना होगा एवं उतनी ही राशि भारत सरकार श्रम मंत्रालय द्वारा जमा की जाएगी जिसमें 50 प्रतिशत प्रीमियम की राशि भारत सरकार श्रम मंत्रालय द्वारा वहन की जाएगी। श्रमिक की 60 वर्ष आयु पूर्ण होने पर बीमित व्यक्ति को 3 हजार प्रतिमाह रूपए पेंशन के रूप में प्राप्त होगी। इस योजना के संचालन के लिए भारतीय जीवन बीमा निगम को अधिकृत किया गया है इस योजना के लिए इच्छुक श्रमिक योजना का लाभ प्राप्त करने के लिए निकटतम कॉमन सर्विस सेंटर (कियोस्क) पर जाकर अपना नामांकन करा सकते हैं । नामांकन के समय श्रमिक को आधार कार्ड एवं बैंक खाता नंबर अनिवार्य रूप से देना होगा। प्रीमियम की प्रथम किश्त श्रमिक के आयु वर्ग के अनुसार 55 से 200 रूपये कॉमन सर्विस सेंटर में नगद जमा की जाएगी।

नर्मदापुरम जिले के अंतर्गत आने बाले ब्लॉक बनखेड़ी मैं सहायक सचिव

रमेश कुमार की खबर

मध्यप्रदेश के नर्मदापुरम जिले के अंतर्गत आने बाले ब्लॉक बनखेड़ी मैं सहायक सचिव संघ ने 20 से 31 तक कलम बंद हड़ताल पर जाने का निर्णय लिया। सरकार से असंतुष्ट होकर संगठन प्रदेश स्तर के आवाहन पर दिनांक 13.03 .2023 से 18 .3. 2023 तक सामूहिक अवकाश पर जाने का निर्णय लिया गया शासन को अपनी जायज मांगों पर विचार करने के लिए समय दिया गया था किंतु शासन द्वारा ग्राम सहायक की मांगों पर कोई विचार एवं आदेश नहीं किए जाने के कारण मध्य प्रदेश के सभी ग्राम रोजगार सहायक अपनी मांगों को लेकर दिनांक 10.03.2023 से 31.3. 2023 तक कलम बंद हड़ताल पर सामूहिक रूप से रहेंगे दिनांक 20.3.2023 से 31.3 .2023 तक सामूहिक कलम बंद हड़ताल पर रहेंगे सचिव संघ की मांग है की पंचायत सचिव के समकक्ष होने से 90न्त सहायक सचिव पर भी लागू कराया जाए जो कम से कम 30,000 रुपए प्रतिमाह करें ग्राम रोजगार सहायक

को स्थानतरण नीति लागू कराया जाए आदेश दिनांक 6.7.2013 के बिंदु क्रमांक 6 के अनुसार निलंबन किया जाए एवं निलंबन अवधि में गुजारे भत्ते की पात्रता को ग्राम रोजगार सहायक की आकस्मिक दुर्घटना /मृत्यु होने पर अनुग्रह सहायता राशि 500000 एवं अनुकंपा नियुक्ति का प्रावधान हो पी एफ फंड का प्रावधान हो अगर इस हड़ताल पर प्रशासन की जल्द से जल्द सुनवाई नहीं हुई तो कई ग्रामों मैं काम स्थगित रह सकता है जिससे ग्रामों के लोग परेशान हो सकते हैं इसी समय नई योजना लाडली बहना योजना के दिनांक 25 से आवेदन होना तय है समय रहते शासन को कर्मचारियों की बात पर विचार किया जाना चाहिए जिससे ग्रामों में सुचारू रूप से काम हो सके।

दलित आदिवासी महापंचायत के ज्ञापन मैं उल्लेखित समस्याओं का निराकरण करने कलेक्टर कमिश्नर ने कार्यवाही के दिये निर्देश

ग्वालियर। दलित आदिवासी महापंचायत (DAM - दाम) के प्रदेश अध्यक्ष दारा सिंह कटारे संभागीय अध्यक्ष गजेंद्र वगुलिया संभागीय महासचिव सीताराम खंडेल के नेतृत्व में 20 फरवरी 2022 को आयुक्त ग्वालियर संभाग ग्वालियर एवं कलेक्टर जिला ग्वालियर को दर्जनों आदिवासियों दलितों के साथ 2 ज्ञापन सौंपें गए थे एक ज्ञापन में सहरिया आदिवासी और दलित आदिवासियों की 22 मांगे थी दूसरे ज्ञापन में जनजाति कार्य विभाग के प्रभारी सहायक आयुक्त एच बी शर्मा को भ्रष्टाचार के माध्यम से दिए गए प्रभार से हटाने आदेश को निरस्त करने की मांग की गई थी जिस पर से कलेक्टर कार्यालय ग्वालियर और आयुक्त कार्यालय ग्वालियर संभाग द्वारा संबंधित अधिकारियों को कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं आयुक्त ग्वालियर और कलेक्टर ग्वालियर से दोनों ज्ञापन पर बिंदुवार चर्चा की गई थी चर्चा में आश्वासन दिया गया था कि शीघ्र कार्रवाई की जाएगी 22 समस्याओं के निराकरण हेतु जो ज्ञापन दिया गया था उसको आयुक्त कार्यालय ग्वालियर द्वारा पत्र क्रमांक - क्यू /जन शा / ज्ञापन / 2023 /1550 ग्वालियर दिनांक 22 फरवरी 2023 ग्वालियर चंबल संभाग के समस्त कलेक्टरों को कार्यवाही करने के लिए भेजा गया है जनजाति कार्य विभाग के सहायक आयुक्त एच बी शर्मा को गलत तरीके से दिए गए प्रभार वाले आदेश को निरस्त करने वाले ज्ञापन पर कार्रवाई करने के कमिश्नर ग्वालियर द्वारा संबंधित शाखा को पुट अप करने के निर्देश दिए गए हैं लेकिन 20 फरवरी से आज तक संबंधित शाखा ने कमिश्नर साहब के समक्ष पुटअप ही नहीं किया गया है दलित आदिवासी महापंचायत के संभागीय अध्यक्ष गजेंद्र वगुलिया और संभागीय महासचिव सीताराम आदिवासी ने आज प्रेस को जारी विज्ञप्ति में बताया की कलेक्टर ग्वालियर से भी दो बार चर्चा हो चुकी है लेकिन अधीनस्थ कार्यालय के अधिकारियों कर्मचारी केवल पत्राचार कर रहे हैं आज तक समस्याओं का निराकरण नहीं किया गया है न ही ज्ञापन पर कार्यवाही की गई है केवल पत्राचार कर खानापूर्ति करने में मस्त है,जबकि कार्यालय कलेक्ट्रेट में जनसुनवाई में भी ज्ञापन दिए जा चुके हैं जिस पर एडिशनल कलेक्टर ने स्टेनो कलेक्टर को ज्ञापन मार्क किया गया उसके बाद स्वयं कलेक्टर साहब से मिलकर दलित आदिवासी महापंचायत के उक्त नेताओं ने समझ में चर्चा की उन्होंने आश्वासन दिया की शीघ्र कार्रवाई की जाएगी जो हमारे अधिकार क्षेत्र से ऊपर की मांग है उनको हम शासन को भेजेंगे लेकिन आज तक कार्रवाई नहीं की गई है ज्ञापन में जनजाति कार्य विभाग के प्रभारी सहायक आयुक्त एवं प्रभारी संभागीय उपायुक्त के विरुद्ध भी कार्रवाई की मांग की गई है कार्यालय कलेक्टर जिला ग्वालियर के पत्र क्रमांक -क्यू /एस सी - 2 / ज्ञापन / 2022 -- 23 / 3360 दिनांक 27 2023 को एचपी शर्मा को दिए गए प्रभार को निरस्त कराने के लिए डिप्टी कलेक्टर जिला ग्वालियर द्वारा प्रभारी अधिकारी स्थापना शाखा ग्वालियर को अपने पत्र के साथ सलंगन कर कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं और की गई कार्रवाई से कार्यालय को सूचित करने का भी उल्लेख किया गया है लेकिन स्थापना शाखा प्रभारी द्वारा आज तक कोई कार्यवाही नहीं की गई है इसी प्रकार 22 समस्याओं के ज्ञापन को जिन की शिकायतें की गई है उन्हीं को कार्रवाई के लिए अपने पत्र क्रमांक /एस सी 2 /ज्ञापन / 2022-23/3358 ग्वालियर दिनांक 27 फरवरी 2023 द्वारा सहायक आयुक्त जनजाति कार्य विभाग जिला गवालियर को भेजा गया है इससे स्पष्ट है कि कि कार्यालय कलेक्ट्रेट ग्वालियर और कार्यालय आयुक्त ग्वालियर संभाग ग्वालियर के अधीनस्थ अधिकारी और कर्मचारी दलित आदिवासियों की समस्याओं का निराकरण करने में रुचि नहीं ले रहे हैं और दोषियों को बचाया जा रहा है दलित आदिवासी महापंचायत के प्रदेश अध्यक्ष दारा सिंह कटारे संभागीय अध्यक्ष गजेंद्र वगुलिया संभागीय महासचिव सीताराम खंडेला आदिवासी ने आज प्रेस को जारी विज्ञप्ति में मध्यप्रदेश शासन और शासन से मांग की है कि उक्त ज्ञापन पर शीघ्र कार्रवाई करते हुए सभी समस्याओं का निराकरण किया जाए दोषियों के विरुद्ध कार्रवाई की जाए यदि शीघ्र कार्रवाई नहीं किए गए तो दलित आदिवासी महापंचायत को आंदोलन के लिए बाध्य होना पड़ेगा जिसकी समस्त जवाबदारी शासन प्रशासन की होगी ज्ञात रहे कि वर्ष 2019 से दर्जनों शिकायतें शासन-प्रशासन के कार्यालयों की फाइलों में धूल खा रही है दोषियों को खुलेआम बचाया जा रहा है।

निवेदक

गजेंद्र वगुलिया
संभागीय अध्यक्ष
दलित आदिवासी महापंचायत
ग्वालियर संभाग ग्वालियर
मोवा 9754692982

चना, मसूर, राई एवं सरसों का उपार्जन 25 मार्च से

भोपाल। शासन द्वारा रबी वर्ष 2022-23 (विपणन वर्ष 2023-24) की उपज चना, मसूर, राई एवं सरसों का समर्थन मूल्य पर उपार्जन 25 मार्च से 31 मई तक किया जाएगा। चने का उपार्जन पूरे प्रदेश में होगा, मसूर का 37 जिलों और राई एवं सरसों का उपार्जन 40 जिलों में केन्द्र शासन द्वारा निर्धारित (एफएक्यू) मापदण्ड संबंधी निर्देशों का पालन करते हुए राज्य उपार्जन एजेंसी द्वारा किया जाएगा। उपार्जन कार्य सप्ताह में 5 कार्य दिवसों (सोमवार से शुक्रवार) में सुबह 8 बजे से शाम 8 बजे तक होगा। उपार्जन केन्द्र पर कृषक तौल पर्ची सायं 6 बजे तक जारी की जायेगी। परीक्षण के बाद अंतिम कृषक की तौल सायं 8 बजे पूर्ण करने के निर्देश दिये गये हैं। अपरिहार्य कारणों से सोमवार से शुक्रवार तक तौल नहीं होने की दशा में शनिवार को समर्थन मूल्य पर उपार्जन किया जायेगा। ऑफलाइन मोड में उपार्जन बिलकुल भी नहीं होगा। गेहूँ के समान चना, मसूर एवं सरसों में भी इस वर्ष स्लॉट बुकिंग की व्यवस्था रहेगी। प्रदेश के 37 जिलों राजगढ़, सतना, डिण्डौरी, विदिशा, सागर, रीवा, नरसिंहपुर, दतिया, रायसेन, पन्ना, दमोह, मण्डला, जबलपुर, शाजापुर, अनूपपुर, सिवनी, अशोकनगर, कटनी, मंदसौर, आगर-मालवा, सीधी, सिंगरौली, सीहोर, छतरपुर, उमरिया, शिवपुरी, शहडोल, नर्मदापुरम, भिण्ड, उज्जैन, छिंदवाड़ा, टीकमगढ़, रतलाम, बैतूल, नीमच, हरदा और धार में समर्थन मूल्य पर मसूर का उपार्जन किया जाएगा।

40 जिलों में राई-सरसों का उपार्जन

प्रदेश के 40 जिलों भिण्ड, मुरैना, शिवपुरी, मंदसौर, श्योपुर, ग्वालियर, बालाघाट, टीकमगढ़, छतरपुर, नीमच, डिण्डौरी, मण्डला, दतिया, रीवा, सिंगरौली, आगर-मालवा, गुना, पन्ना, रतलाम, सतना, अशोकनगर, शहडोल, कटनी, उज्जैन, उमरिया, रायसेन, सागर, नर्मदापुरम, दमोह, छिंदवाड़ा, बैतूल, हरदा और देवास में राई एवं सरसों का उपार्जन समर्थन मूल्य पर किया जाएगा।

शहीद दिवस पर संघर्ष तेज करने का संकल्प लिया किसान सभा और भू विस्थापितों के संघ ने, 5 अप्रैल को दिल्ली में मजदूर-किसान संघर्ष रैली को सफल बनाने का आह्वान भी

लक्ष्मण पिल्लई की खबर

शहीद दिवस पर संघर्ष तेज करने का संकल्प लिया किसान सभा और भू विस्थापितों के संघ ने, 5 अप्रैल को दिल्ली में मजदूर-किसान संघर्ष रैली को सफल बनाने का आह्वान भी कोरबा। छत्तीसगढ़ किसान सभा और भू-विस्थापित रोजगार एकता संघ ने आज 23 मार्च को भगत सिंह, राजगुरु, सुखदेव की 92वीं शहादत दिवस को मनाया तथा उनके शोषण विहीन, वर्ग विहीन समाज के निर्माण के संघर्ष को तेज करने का संकल्प लिया। कुसमुंडा में 507 दिनों से चल रहे धरना स्थल में तीनों शहीदों को श्रद्धांजलि दी गई तथा उनकी तस्वीरों पर पुष्पांजलि अर्पित की गई। इस वर्ष यह दिन किसान आंदोलन, विस्थापन और रोजगार से जुड़ी मांगो को केंद्र में रखकर मनाया गया। सभा में इंकलाब जिंदाबाद के नारों के साथ मोदी सरकार की किसान-मजदूर विरोधी नीतियों के खिलाफ 5 अप्रैल को दिल्ली में आयोजित मजदूर-किसान संघर्ष रैली को भी सफल बनाने की अपील की गई। शहादत दिवस पर आयोजित श्रद्धांजलि सभा को किसान सभा के जवाहर सिंह कंवर, प्रशांत झा, जय कौशिक, सुमेंद्र सिंह कंवर तथा भू-विस्थापित रोजगार एकता संघ के दामोदर श्याम, रेशम यादव, रघु, हरिहर आदि ने संबोधित किया। किसान सभा के अध्यक्ष जवाहर सिंह कंवर

और जय कौशिक ने कहा कि भगत सिंह का जन्म 27 सितम्बर 1907 को हुआ था और देश की आजादी के लिए 23वर्ष की उम्र में हंसते हंसते फांसी पर चढ गए। उनका सपना था कि भारत आजाद होगा, तो सबको एक समान शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार की गारंटी मिलेगी, हर खेत में पानी पंहुचेगा और खुशहाली आएगी। शोषण, अन्याय मुक्त व बराबरी पर आधारित जिस आजाद भारत का सपना उन्होंने देखा था, वह उनकी शहादत के इतने साल बाद भी अधूरा है। शहीद भगत सिंह के विचारों को जन-जन तक ले जाकर जन आंदोलन के लिए प्रेरित करना होगा, क्योंकि भगत सिंह का सपना जन आंदोलन से ही पूरा हो सकता है सभा को संबोधित करते हुए किसान सभा के जिला सचिव प्रशांत झा ने कहा कि भगतसिंह हमारी आजादी के आंदोलन के एक प्रखर साम्राज्यवाद विरोधी प्रतीक है, जिन्होंने समानता पर आधारित एक शोषणमुक्त, समाजवादी समाज का सपना देखा था। इसके लिए उन्होंने देश की मेहनती जनता की एकता पर बल दिया था। लेकिन आज मोदी सरकार जिस तरह हमारी अर्थव्यवस्था को अमेरिका और कॉरपोरेटों के हाथों बेचने पर आमादा है, उससे हमारे देश की राजनैतिक-आर्थिक आज़ादी खतरे में है। जब तक मनुष्य द्वारा मनुष्य का शोषण जारी रहेगा हमारा संघर्ष भी जारी रहेगा। हम ऐसी आजादी चाहते हैं, जिसमें सत्ता किसानों और मजदूर के हाथ मे हो। किसान सभा नेताओं ने बताया कि 5 अप्रैल को दिल्ली में मजदूर किसान संघर्ष रैली को सफल बनाने के लिए किसान-मजदूरों द्वारा सड़कों पर उतरकर व्यापक प्रचार अभियान चलाया जाएगा।

जवाहर सिंह कंवर

पशु तस्करी संबंधित मामले पर एमसीबी पुलिस की ताबड़तोड़ प्रभावी कार्यवाही

बद्री प्रसाद बारी

मनेंद्रगढ़। इन दिनों लगातार एमसीबी पुलिस के द्वारा वरिष्ठ अधिकारियों के दिशा- निर्देश पर पशु तस्करी मामलों में एक्शन मोड पर है। के पश्चात एक के बाद एक दनादन पशु तस्करी रोकने हेतु निरंतर कार्यवाही किया जा रहा है। उक्त क्रम में एक मामला थाना झगराखाण्ड क्षेत्र अंतर्गत चौकी -कोड़ा का प्रकाश में आया है।जहां लाखों रुपए के मवेशियों सहित आरोपी को पुलिस द्वारा विभिन्न धाराओं अंतर्गत गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की है । वहीं पुलिस सूत्रों द्वारा मिली जानकारी अनुसार चौकी प्रभारी कोड़ा को मुखबीर माध्यम सूचना प्राप्त हुआ कि कुछ व्यक्ति कृषि योग्य पशुओं को वध किए जाने हेतु कोड़ा जंगल से होते हुए 15 नग भैंसा एवं 7 नग भैंसी को पैदल हांकते ,मारते ,पीटते हुए क्रूरता पूर्वक ले जाया जा रहा है। जिस पर चौकी प्रभारी द्वारा तत्काल उक्त सूचना से वरिष्ठ अधिकारियों को अवगत करा हमराह स्टाफ सहित गवाहों को साथ लेकर पुलिस की विशेष टीम गठित करते हुए उक्त मवेशियों को अपने कब्जे में लिया गया मवेशी मालिक के रूप में फूल सिंह आ. अंजन सिंह जाति -गोंड उम्र लगभग 22 वर्ष निवासी ग्राम -टाकी थाना रामनगर जिला अनूपपुर मौके पर मिला जिसे धारा 91 जा .फौ का नोटिस देकर मवेशियों के दस्तावेज की मांग की गई जो किसी प्रकार का कोई वैध दस्तावेज न होना बताया तथा उक्त मवेशियों को उ. प्र के (बिहार)की ओर ले जाना पाए जाने से आरोपी के विरुद्ध थाना झगराखाण्ड में धारा 4,6,10 छत्तीसगढ़ पशु परिरक्षण अधिनियम 2004 की धारा 11(1)(घ) पशुओं के प्रति क्रूरता निवारण अधिनियम कायम कर विवेचना में लेते हुए उक्त आरोपी को घटनास्थल से गिरफ्तार मान.न्यायलय के न्यायिक रिमांड पर भेजा दिया गया है ।उक्त जानवरों को संयुक्त पुलिस टीम के द्वारा अपने कब्जे में लेते हुए कोड़ा के गौठान में देखरेख हेतु गौठान समिति को जिम्मे सौंपा गया है वही मवेशियों की कीमत लगभग 2 लाख 50 हजार रुपए आंकी गई है । इसके अतिरिक्त पूर्व में भी थाना जनकपुर पुलिस सहित पुलिस की गठित विशेष टीम के द्वारा पशु तस्करी संबंधित पृथक -पृथक मामलों पर कार्यवाही किया गया है। वही थाना पोड़ी क्षेत्र अंतर्गत चौकी नागपुर पुलिस द्वारा भी मवेशी तस्करी पर कार्यवाही किया जा चुका है।

मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने दी 143 करोड़ 92 लाख रूपये के 95 विभिन्न विकास कार्यों की सौगात

लक्ष्मण पिल्लई की खास खबर

छत्तीसगढ़। ग्राम करप में आयोजित कोसरिया मरार (पटेल) समाज के महासम्मेलन एवं शपथ ग्रहण समारोह में हुए शामिल उत्तर बस्तर कांकेर। मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने आज कांकेर जिले के ग्राम करप में आयोजित कार्यक्रम में 143 करोड़ 92 लाख रूपये के 95 विभिन्न विकास कार्यों की सौगात दी। नरहरपुर विकासखण्ड के ग्राम करप में आज रविवार को आयोजित कोसरिया मरार (पटेल) समाज के महासम्मेलन एवं शपथ ग्रहण समारोह में मुख्यमंत्री शामिल हुए। इस अवसर पर उनके द्वारा 110 करोड़ 15 लाख रूपये के 76 विकास कार्यों का भूमिपूजन और 33 करोड़ 77 लाख रूपये के 19 कार्यों

का लोकार्पण किया गया। मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल द्वारा ग्राम करप में आयोजित कार्यक्रम में 110 करोड़ 15 लाख रूपये के 76 विकास कार्यों का भूमिपूजन किया गया, जिसमें नरहरपुर विकासखण्ड के ग्राम पंचायत साल्हेभाट-सारण्डा मार्ग के 1/4 किलोमीटर पर कंक नाला में उच्च स्तरीय सेतुमय पहुंच मार्ग निर्माण कार्य के लिए 05 करोड़ 89 लाख 90 हजार रूपये, मावलीपारा-मांडाभर्री-बांगाबारी मार्ग के 4/2 किलोमीटर पर कुकरेल नदी में उच्च स्तरीय पुल निर्माण कार्य हेतु 07 करोड़ 19 लाख 35 हजार रूपये, ग्राम कुम्हानखार-झुलनातेन्दु मार्ग पर 1/2 एवं 2/4 किलोमीटर में कुकरेल नदी पर उच्चस्तरीय पुल निर्माण कार्य हेतु 05 करोड़ 96 लाख 42 हजार रूपये, लेण्डारा-ठेमा मार्ग पर 1/6 किलोमीटर पर जामपानी नाला एवं 2/10 किलोमीटर पर बंजारा नाला में उच्च स्तरीय पुल निर्माण कार्य हेतु 05 करोड़ 38 लाख 23 हजार रूपये, बांसपतर से तिरियापानी मार्ग के 1/10, 4/6, 6/6, 9/8 एवं 8/10 किलोमीटर पर टूरी नाला में उच्च स्तरीय पुल निर्माण कार्य हेतु 21 करोड़ 03 लाख 77 हजार रूपये, ग्राम सारवण्डी-मावलीपारा मार्ग पर 2/2 किलोमीटर पर झुरानाला में उच्च स्तरीय सेतु निर्माण कार्य हेतु 02 करोड़ 27 लाख 73 हजार रूपये, आंखीहर्रा-कोचवाही मार्ग के 3/6 किलोमीटर पर नागबेल नाला में उच्च स्तरीय पुल निर्माण कार्य हेतु 03 करोड़ 41 लाख 76 हजार रूपये का भूमिपूजन किया गया।

कोण्डागांव/केशकाल मांझिनगढ़ को जैव विविधता पार्क के रूप में विकसित करने मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने की घोषणा

लक्ष्मण पिल्लई की खबर (युवा प्रदेश)

- **भक्त माता कर्मा जयंती कार्यक्रम में वर्चुअली शामिल हुए मुख्यमंत्री श्री बघेल**
- **मुख्यमंत्री कन्या विवाह के अंतर्गत परिणय सूत्र में बंध रहे 101 जोड़ो को दिया आशीर्वाद**
- **154 करोड़ से अधिक के 145 विभिन्न विकास कार्यों का किया वर्चुअल लोकार्पण और भूमिपूजन**

मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने बांसकोट में केशकाल विधानसभा के ग्राम बांसकोट में जिला सहकारी केंद्रीय बैंक शाखा की स्थापना, मांझीनगढ़ पर्यटन स्थल को जैव विविधता पार्क के रूप में जंगल सफारी की तर्ज पर विकसित करने तथा उप स्वास्थ्य केंद्र गम्हरी का प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र के रूप में उन्नयन करने के साथ ही बांसकोट में स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट अंग्रेजी माध्यम स्कूल खोलने एवं साहू सदन बाँसकोट में आहाता निर्माण की घोषणा की। इसके अतिरिक्त उन्होंने जिले के खिलाड़ियों को प्रोत्साहन देने के लिए केशकाल में इंडोर स्टेडियम निर्माण की भी घोषणा की। मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल 18 मार्च को कोंडागांव जिले के बांसकोट में भक्त माता कर्मा जयंती तथा मुख्यमंत्री कन्या विवाह के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में वर्चुअल रूप से शामिल हुए। उन्होंने साहू समाज सहित क्षेत्रवासियों को भक्त माता कर्मा जयंती की शुभकामनाएं दी और मुख्यमंत्री कन्या विवाह के अंतर्गत परिणय सूत्र में बंध रहे 101 जोड़ो को आशीर्वाद दिया। मुख्यमंत्री ने कोंडागांव जिले में 154 करोड़ के 145 विभिन्न कार्यों का वर्चुअल लोकार्पण और भूमिपूजन भी किया। साथ ही मुख्यमंत्री की वर्चुअल उपस्थिति में विधानसभा उपाध्यक्ष श्री संतराम नेताम,बस्तर सांसद श्री दीपक बैज, हस्तशिल्प विकास बोर्ड के अध्यक्ष श्री चंदन कश्यप, जिला पंचायत के अध्यक्ष, उपाध्यक्ष सहित अन्य जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में पारंपरिक, सांस्कृतिक धरोहर स्थलों जैसे देवगुड़ी, मातागुड़ी एवं घोटुल की भूमि को संरक्षित रखने हेतु कुल 436 सामुदायिक वन अधिकार पत्र ग्रामीणों को प्रदान किये गए तथा साहू समाज के प्रतिभावान युवाओं को सम्मानित किया गया। मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए भक्त माता कर्मा को नमन किया उन्होंने कहा कि आज भक्त माता कर्मा जी की 1007 वीं जयंती हम सब मना रहे हैं । आज प्रदेश भर में बेमौसम बारिश हुई है जिससे असुविधा हुई है परंतु इस बारिश से किसी प्रकार से उत्साह में कमी नहीं आई है । पूरे हर्षोल्लास के साथ माता कर्मा जी की जयंती मनाई जा रही है। उन्होंने माता कर्मा का जो योगदान है उसे समाज कभी नहीं भूल सकता। उन्होंने एकता में ही ताकत के आधार पर समाज को संगठित किया और एक नई दिशा प्रदान की। उन्होंने मुख्यमंत्री कन्या विवाह अंतर्गत परिणय सूत्र में बंध रहे नव दंपतियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि इसके दी जा रही सहायता राशि को हमने 15 हजार से बढ़कर 25 हजार किया था और वर्तमान बजट में इसे बढ़ाकर 50 हजार करने का प्रावधान कर दिया गया है। मुख्यमंत्री ने सुपोषण अभियान के प्रभावी क्रियान्वयन से आए सकारात्मक बदलावों पर प्रशंसा व्यक्त की। मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि आज छत्तीसगढ़ की मजबूत अर्थव्यवस्था की चर्चा पूरे देश में हो रही है और उसके पीछे सभी समाज के साथ-साथ साहू समाज का भी बड़ा योगदान है। हमने गढ़बो नवा छत्तीसगढ़ के संकल्प के साथ 4 साल पहले एक नई यात्रा की शुरुआत की थी, हमारी सरकार ने किसानों, मजदूरों तथा परंपरागत व्यवसाय करने वाले मेहनतकश कारीगर और महिलाओं के लिए प्राथमिकता के साथ कार्य किया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि कोंडागांव जिले में ही 29 हजार 939 किसानों के कुल 116 करोड़ 34 लाख 72 हज़ार कर्ज माफ हुए हैं। राजीव गांधी किसान न्याय योजना का भी प्रदेश सहित जिले के किसानों को लाभ मिल रहा है। किसान हितैषी सरकार ने इस वर्ष सर्वाधिक धान खरीदी का नया कीर्तिमान रचते हुए प्रदेश में 107 लाख मैट्रिक टन धान की खरीदी की है। लघु वनोपज खरीदी हो या फिर गोबर से प्राकृतिक पेंट या बिजली उत्पादन करने की बात हो, इसका लाभ जरूरतमंदों को मिल रहा है और उनकी आय बढ़ी है। कार्यक्रम को सांसद दीपक बैज ने माता कर्मा जयंती की शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि सरकार ने हर व्यक्ति और समाज के विकास के लिए कार्य किया है। बस्तर की पहचान अब देश विदेश में होनी लगी है। क्षेत्र के दंतेवाड़ा का डेनेक्स के कपड़ा, लघु वनोपज महुआ इमली और मिलेटस की माँग देश विदेश में हो रहा है। योजनाओं के बेहतर क्रियान्वयन से लोंगों की आय में वृद्धि होने से बैंकों की माँग होने लगी है। सरकार ने बस्तर की संस्कृति को संरक्षित करने के लिए देवगुड़ी मातागुड़ी घोटूल का जीर्णोद्धार किया जा रहा है। संभाग के जिलों में सभी समाजों के लिए सामाजिक भवनों का निर्माण किया जा रहा है । विधानसभा उपाध्यक्ष श्री संतराम नेताम ने कहा कि कर्मा जयंती के अवसर पर आयोजित इस कार्यक्रम में बारिश की वजह से मुख्यमन्त्री वर्चुअल शामिल हुए इसके मुख्यमन्त्री का आभार। क्षेत्र के विकास के लिए भेंट मुलाक़ात के दौरान मुख्यमन्त्री द्वारा किए घोषणा को पूरा किया जा रहा है । सरकार द्वारा क्षेत्र में अतिरिक्त धान ख़रीदी केंद्रों का स्थापना, सामाजिक भवनों की सौगात, वन अधिकार और सामुदायिक वन अधिकार दिया गया। उन्होंने कार्यक्रम में कन्या विवाह योजना के तहत 101 नव दंपति को आशीर्वाद और साहू समाज के प्रतिभावान युवाओं को बधाई दी । कार्यक्रम में कलेक्टर श्री सोनी ने जिले में किए जा रहे विकास कार्यों की जानकारी दी।

सभी इंसा को हक है

रोटी, कपड़ा, मकान का
कौन बन रहा है कारण
गरीबों के अपमान का,
आजाद भारत में आज भी
भुख से लोग मरते हैं,
तन पर नहीं है कपड़े?
आसमां के नीचे रहते हैं।
उन्हें भी मिलना चाहिए
हिस्सा उनके अरमान का
सभी इंसा को हक है
रोटी, कपड़ा,मकान का
गरीबों का नाम लेकर ही
लोग राजनीति चलातें है ?
लेकर वोट गरीबो से
शासक वे बन जाते हैं,
गरीबी मिटाने का वादा करके
गरीबों को ही मिटाते हैं,
फिक्र क्यों नहीं होता उन्हें
गरीबों के जी -जान का
सभी इंसा को हक है
रोटी, कपड़ा, मकान का
आजादी के 75 वे वर्षो
बाद भी
आर्थिक समानता क्यों नहीं
आया?
गरीबों के विकास की
बातें करके
देश में मंहगाई क्यों
बढ़ाया?
जीयो और जीने दो
की नीति
जब तक ना बनाओगे
तब तब तुम कैसे
अच्छे शासक कहलाओगे
सरकार को फिक्र है
केवल देश के धनवान का
सभी इंसा को हक है
रोटी,कपड़ा और मकान का
कौन बन रहा है कारण
गरीबों के अपमान का,,,

हरीश पांडल
विचार क्रांति

नाटक पिस्तौल का हुआ मंचन

भोपाल। शहीद भवन में दिनांक 21/03/2023 को आदम एक्टर्स क्रिएशन द्वारा पिस्तौल नाटक की प्रस्तुति की गई। इस नाटक का लेखन एव निर्देशन आदम ने किया मंगलवार को मंचित हुए इस नाटक में स्वतंत्रता के बाद एक क्रांतिकरी की ज़िंदगी को बड़े खूबसूरत ढंग से कलाकारों द्वारा पेश किया गया।देश प्रेम मानवीय संवेदनाओ एवम देश की संस्क्रति को समर्पित हैं। यह नाटक अतीत एवम वर्तमान कालखण्ड के विषय पर दर्शकों से सीधा संवाद करता हैं। देश को आज़ाद करवाने के लिए लाखों क्रांतिकारी शहीद हो गये और देश प्रेम के लिये अपना सबकुछ न्योछावर कर दिया उसी शहादत का चित्रण हैं । नाटक पिस्तौल । इस अवसर पर भोपाल के वरिष्ठ समाज सेवी श्री दुलारे ज़ख्मी जी एवं समाज सेवी श्री प्रशांत पालीवाल जी द्वारा स्मृति चिन्ह प्रदान कर बैंक ऑफ इंडिया कतेगराइज मार्केट भोपाल ब्रांच के अधिकारी श्री ब्रांच मैनेजर अजय सिंह चौहान, जितेंद्र पालीवाल, दीपाली गुप्ता,अंकिता रॉय, एवं प्राइवेट लिमिटेड से दीपक जी गौर ,एवं तबला वादक रवि राव जी ,राशिद अली खिलजी साहब को भी सम्मानित किया गया ।एव नाटक पिस्तौल में इन कलाकारों द्वारा अभिनय किया गया । आदम, फरहान बैग, मोहित, रविकांत वासनिक, अम्बर अली,उषा यादव, साहू, रंजीत पंथी,आदम, सोलत खान, मुबीना खान।

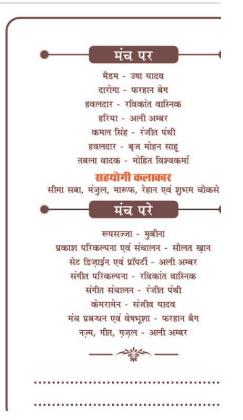

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने शहीदों के बलिदान दिवस पर पौध-रोपण किया

भोपाल। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने अमर शहीद भगत सिंह, राजगुरू और सुखदेव के बलिदान दिवस पर उनकी स्मृति में शहीदों के परिजन के साथ शौर्य स्मारक में पौध-रोपण किया। मुख्यमंत्री ने कदंब, मौलश्री, गुलमोहर, जामुन, करंज और आँवला के पौधे रोपे। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कारगिल के शहीद परमवीर चक्र विभूषित केप्टन विक्रम बत्रा और शहीद लेफ्टिनेंट मनोज पाण्डेय के बलिदान का स्मरण किया। उन्होंने भोपाल पधारे शहीदों के परिजन का स्वागत भी किया। सहारनपुर से आए शहीदे आजम भगत सिंह के भाई श्री कुलतार सिंह लेफ्टिनेंट के बेटे श्री किरणजीत संधू, सोनीपत हरियाणा से आए शहीद सुखदेव जी के भाई के पोते श्री अनुज थापर, अहमदनगर से आए शहीद राजगुरू के भाई के पोते श्री विलास राजगुरू, धर्मशाला हिमाचल प्रदेश से आए परमवीर चक्र विभूषित केप्टन विक्रम बत्रा के पिता श्री गिरधारी लाल बत्रा तथा लखनऊ से आए परमवीर चक्र विभूषित शहीद लेफ्टिनेंट मनोज पाण्डेय के भाई श्री मनमोहन पांडे पौध-रोपण में सम्मिलित हुए। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने अमर शहीद भगत सिंह, सुखदेव और राजगुरु के बलिदान दिवस पर शहीदों के बलिदान का स्मरण करते हुए शौर्य स्मारक स्थित शौर्य स्तंभ पर आदरांजलि स्वरूप पुष्प-चक्र अर्पित किया।

आईटी टीम आज खोलेगी 6 लॉकर

बिल्डर-सराफा कारोबारी के घर पर मिले 6 करोड़ एक बोरी दस्तावेज में एक मंत्री के नाम का भी मिला

ग्वालियर

ग्वालियर के जाने-माने बिल्डर और सराफा कारोबारी पारस जैन के ठिकानों पर सोमवार को इनकम टैक्स विभाग ने छापे मारे की। अब तक की जांच में टीम को 6 करोड़ रुपए नकद मिले है, जबकि एक बोरी भरकर दस्तावेज जब्त किए गए है। आईटी की टीम को आधा दर्जन बैंक लॉकर की भी जानकारी मिली है, जिन्हें मंगलवार को खोला जाएगा।

यह भी बताया गया है कि बिल्डर के घर से मिले दस्तावेजों में एक मंत्री के नाम के दस्तावेज भी हैं। जिन्हें आईटी की टीम ने निगरानी में ले लिया है। पारस जैन का परिवार भाजपा और आरएसएस से जुड़ा है। टीम ने ग्वालियर के सबसे महंगे कैटरर्स बंटी कैटरर्स के ठिकानों पर भी दबिश दी।

इनकम टैक्स के 30 से ज्यादा अधिकारी-कर्मचारी 15 कार में सवार होकर इंदौर से ग्वालियर

पहुंचे। टीम ने रविवार-सोमवार की दरमियानी रात 3 बजे पारस जैन के मुरार सदर बाजार स्थित दुकान, पुश्तैनी मकान, चेतकपुरी और गोला का मंदिर में उनके घर सहित आधा दर्जन प्रोजेक्ट साइट्स की घेराबंदी की। इसके बाद तड़के 4 बजे अफसरों ने पारस जैन के घर की डोर बेल बजाई और बताया आपके ठिकानों पर इनकम टैक्स की रेड पड़ी है। सभी लोग अपने मोबाइल जमा कर दें। टीम ने मुरार स्थित पारस ज्वैलर्स शोरूम से भी दस्तावेज जब्त किए हैं।

पारस जैन का नाम बड़े कारोबारियों में शुमार है। वह मध्यप्रदेश चेंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज में भी पदाधिकारी रह चुके हैं। सराफा का कारोबार उनका पुश्तैनी काम है। पारस ने पिछले कुछ साल में बिल्डर के रूप में भी अपनी पहचान बनाई है। उनके 10 से 12 जगह टाउनशिप, मल्टी और अन्य प्रोजेक्ट चल रहे हैं।

भाजपा से जुड़ा है पारस जैन का परिवार

पारस जैन का परिवार भाजपा से जुड़ा है। पारस के बड़े भाई विष्णु जैन आरएसएस के कार्यकर्ता हैं। विहिप के आयोजनों में व्यवस्थापकों में शामिल रहते हैं। पूरे परिवार को भाजपा के नजदीक माना जाता है। शहर के बहुचर्चित भाजपा नेता विष्णु मंगल हत्याकांड में भी पारस जैन का नाम उछला था। इस समय पारस जैन के ग्वालियर बायपास पर तुरारी में टाउनशिप, पुरानी छावनी में तीन प्रोजेक्ट, चेतकपुरी में एक प्रोजेक्ट सहित एक दर्जन स्थानों पर प्रोजेक्ट चल रहे हैं। बेरजा के आगे डरमन पाली में क्रशर खदान होने की भी जानकारी मिली है।

57 साल बाद कांग्रेस की मेयर ने पेश किया बजट, साल 2023-24 में सड़क स्वच्छ

ग्वालियर

ग्वालियर में नगर सरकार ने वित्तिय वर्ष 2023-24 के लिए तीन लाख रुपए मुनाफे का बजट पेश कर दिया है। 57 साल बाद परिषद में किसी कांग्रेस मेयर ने बजट पेश किया है। यहां बता दें कि पिछले 57 साल से महापौर के पद पर भाजपा का कब्जा था, लेकिन इस बार कांग्रेस की शोभा सिकरवार ने भाजपा का मिथक तोड़ते हुए मेयर की सीट उनसे छीनी थी। मंगलवार को पेश किए गए बजट में सबसे ज्यादा फोकस सड़क, स्वच्छता व अमृत-2 प्रोजेक्ट पर किया गया है। बजट में 917 करोड़ रुपए अमृत के सेकंड फेस के लिए प्रावधान किया गया है। बजट पेश होने के बाद भाजपा पार्षदों ने बहस के लिए 25 मार्च तक का समय मांगा है। ग्वालियर में नगर सरकार का साल 2023-24 का वार्षिक बजट 3 लाख रुपए मुनाफे के साथ परिषद में पेश कर दिया है। महापौर डॉ. शोभा सतीश सिकरवार बजट सूटकेस को लेकर परिषद में पहुंची और यहां पहले राष्ट्रगान हुआ और उसके बाद महापौर ने परिषद में 2100 करोड़ की आय-व्यय का ब्यौरा जिसे बजट कहते हैं उसे रखा। यहां बता दें कि महापौर डॉ. शोभा सिकरवार की सास मां के निधन को अभी एक सप्ताह भी नहीं हुआ है। इसके बाद भी शहर के प्रति अपनी जिम्मेदारियों को समझते हुए बजट पेश करने पहुंची हैं। महापौर सिकरवार के बजटीय भाषण के बाद सभापति ने महापौर द्वारा पेश बजट पर बहस के लिए 25 मार्च तक का समय मांगा। सभी पार्षदों को बजट की कॉपी दे गई है। पार्षद स्टडी कर उसमें संशोधन आदि पर 25 मार्च के बाद चर्चा की जाएगी।

संपादकीय

शिकंजे से बाहर खालिस्तान समर्थक अमृतपाल

खालिस्तान समर्थक अमृतपाल सिंह का पुलिस घेरे से निकल भागना कई सवाल खड़े करता है। पुलिस ने उसे पकड़ने का बहुत चुस्त बंदोबस्त कर रख था, उसमें वह उसके पास तक पहुंचने में कामयाब भी रही। अमृतपाल के कुछ सहयोगी तो पकड़े गए, मगर वह खुद फरार होने में कामयाब हो गया। बताया जा रहा है कि जब पुलिस उस तक पहुंचने ही वाली थी कि वह अपनी गाड़ी से निकल कर दूसरी गाड़ी में बैठा और पुलिस घेरे से निकल भागा। हालांकि पंजाब पुलिस के इस खोज अभियान की तारीफ की जानी चाहिए कि उसमें किसी तरह की हिंसा नहीं हुई और वह अमृतपाल के सहयोगियों को सहज ढंग से पकड़ पाई। मगर इस अभियान में जिस मुख्य व्यक्ति की तलाश थी, वह कैसे भाग निकला, इसका जवाब तो उसे देना होगा। अमृतपाल खुलेआम 'वारिस पंजाब दे' नाम का संगठन बना कर अलग खालिस्तान के लिए लोगों को उकसा रहा था। पंजाब में उसके बढ़ते प्रभाव का अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि पिछले महीने जब उसके एक समर्थक को पुलिस ने गिरफ्तार किया तो हथियारों से लैस बड़ी संख्या में उसके समर्थकों ने अजनाला थाने पर हमला कर दिया और उस गिरफ्तार व्यक्ति को बाहर निकाल लिया। अजनाला की घटना के बाद से ही पंजाब पुलिस अमृतपाल को गिरफ्तार करने की योजना बना रही थी, मगर उसे कामयाबी नहीं मिल पा रही थी। आखिरकार केंद्रीय गृह मंत्रालय ने इसमें दखल दी और उसकी गिरफ्तारी की योजना बनी। आशंका थी कि अमृतपाल की गिरफ्तारी के बाद लोग सड़कों पर उतर कर उपद्रव शुरू कर देंगे, जिसे संभालना मुश्किल होगा। दरअसल, अमृतपाल गुरु ग्रंथ साहिब की आड़ लेकर अपने आंदोलन को आगे बढ़ा रहा है, इस वजह से सिख समुदाय के लोगों को भावनात्मक रूप से अपने साथ जोड़ने में कामयाब हो पाया है।

आलेख

एक बार फिर बड़ा आंदोलन करने को मजबूर होंगे अन्नदाता

संयुक्त किसान मोर्चा ने आंदोलन से वापस लौटते वक्त भी कहा था कि उसके लोग कुछ दिनों के लिए छुट्टी पर जा रहे हैं, समय-समय पर सरकार के वादों की समीक्षा करते रहेंगे और अगर सरकार का रुख सकारात्मक नजर नहीं आएगा, तो वे वापस आंदोलन पर उतरेंगे। एक बार फिर किसान अपनी मांगों की याद दिलाने दिल्ली के रामलीला मैदान पहुंचे। संयुक्त किसान मोर्चा ने महापंचायत की। उसके प्रतिनिधि कृषिमंत्री से मिले और उन्हें याद दिलाया कि जिन वादों के साथ किसान आंदोलन समाप्त हुआ था, उनमें से एक भी वादा पूरा नहीं हो पाया है। अच्छी बात है कि इस बार न तो पुलिस ने उन्हें दिल्ली में घुसने और महापंचायत करने से रोका और न कृषिमंत्री ने उनसे मिलने से कन्नी काटी। मगर सरकार के रुख से किसान संतुष्ट नजर नहीं आए। उन्होंने चेतावनी दी है कि अगर सरकार ने उनकी मांगें नहीं मानी, तो वे एक बार फिर बड़ा आंदोलन करने को मजबूर होंगे। उनकी पांच प्रमुख मांगों में न्यूनतम समर्थन मूल्य की गारंटी का कानून बनाना, बिजली दरों पर नीति

बनाना, आंदोलन के दौरान मारे गए किसानों के परिजनों को मुआवजा देना, किसानों के खिलाफ दर्ज मुकदमे वापस लेना और अजय मिश्र टेनी को बर्खास्त करना हैं। इनमें से कोई भी मांग सरकार के लिए सुविधाजनक नहीं है। न्यूनतम समर्थन मूल्य पर कानून बनाने की मांग तो तीन विवादित कृषि कानूनों को रद्द करने की मांग के साथ ही जुड़ी हुई थी। अगर सरकार इसे लेकर गंभीर होती, तो तीन कानूनों को रद्द करने के साथ ही न्यूनतम समर्थन मूल्य को लेकर गारंटी वाला कानून का प्रारूप भी अब तक बना चुकी होती। हालांकि आंदोलन समाप्त करने की अपील के साथ सरकार ने वादा किया था कि वह किसानों पर दर्ज मुकदमे वापस ले लेगी, मगर साल भर से अधिक समय बीत जाने के बाद भी वह इस दिशा में आगे नहीं बढ़ पाई है। तब कुछ राज्य सरकारों ने अपने यहां दर्ज मुकदमों को वापस लेने का एलान भी कर दिया था। जहां तक मुआवजे की बात है, सरकार शुरू से कहती आ रही है कि मारे गए किसानों का वास्तविक आंकड़ा उसके पास नहीं है, इसलिए मुआवजे के बारे में कोई फैसला नहीं किया जा सकता। गृह राज्यमंत्री को बर्खास्त करने को लेकर वह कतई तैयार नहीं होगी। तमाम अदालती कड़ाइयों के बावजूद वह उन्हें बचाए हुई है, तो किसानों की यह मांग वह इतनी सहजता से मान लेगी, कहना मुश्किल है। दरअसल, साल से अधिक समय गुजर जाने के बाद भी सरकार किसानों की मांगों पर चुप्पी साधे हुई है, इसलिए स्वाभाविक ही उनमें रोष है। वे ठगा हुआ महसूस कर रहे हैं। हालांकि संयुक्त किसान मोर्चा ने आंदोलन से वापस लौटते वक्त भी कहा था कि उसके लोग कुछ दिनों के लिए छुट्टी पर जा रहे हैं, समय-समय पर सरकार के वादों की समीक्षा करते रहेंगे और अगर सरकार का रुख सकारात्मक नजर नहीं आएगा, तो वे वापस आंदोलन पर उतरेंगे। सरकार ने शायद इसे गंभीरता से नहीं लिया। उसने न्यूनतम समर्थन मूल्य के लिए समिति बनाने का प्रस्ताव रखा था, मगर किसानों ने उसे ठुकरा दिया। उनका कहना है कि इससे संबंधित सुझाव और फार्मूला पहले ही कई विशेषज्ञ दे चुके हैं, इस पर नए सिरे से किसी प्रकार के विचार-विमर्श की जरूरत नहीं है। फिर जिस तरह सरकार समिति में अपने लोगों को शामिल कर अपने मुताबिक सुझाव दिलाने का प्रयास करती रही है, उससे भी किसानों को भरोसा नहीं हो पा रहा। आम चुनाव की घोषणा में बमुश्किल साल भर बचा है।

फोटो में आज

भोपाल मध्यप्रदेश में हो सकती हैं अंतर्राष्ट्रीय स्तर की खेल प्रतियोगिताएँ - मुख्यमंत्री चौहान

हेल्थ

जोड़ों का दर्द हो सकता है स्पांडिलाइटिस

अक्सर लोगों को कमर में अकड़न, पीठ और जोड़ों में दर्द की शिकायत रहती है और वे इसे नजरअंदाज कर देते हैं पर ऐसा करना आपकी सेहत के लिए खतरनाक साबित हो सकता है। अगर जोड़ों के दर्द के कारण आपकी रात में तीन-चार बजे आपकी नींद खुल जाती है और आप असहज महसूस करते हैं, तो डॉक्टर से सलाह लीजिए क्योंकि आपको स्पांडिलाइटिस की शिकायत हो सकती है। स्पांडिलाइटिस से हृदय, फेफड़े और आंत समेत शरीर के कई अंग प्रभावित हो सकते हैं। स्पांडिलाइटिस को नजरंदाज करने से गंभीर रोगों का खतरा पैदा हो सकता है। इससे बड़ी आंत में सूजन यानी कोलाइटिस हो सकता है और आंखों में संक्रमण हो सकता है।

अवन्तिका तीन लोक से न्यारी और कितनी प्यारी हैः मुख्यमंत्री श्री चौहान

भोपाल। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि आज उज्जयिनी का जन्म उत्सव है। अवन्तिका नगरी तीन लोक से न्यारी और प्यारी है। उज्जयिनी नगरी अलौकिक और अद्भुत नगरी है, जो अपनी संस्कृति और परम्परा को सहेजे हुए है। यहां आकर हमेशा एक अद्भुत और दिव्य अनुभव होता है। उज्जैन का शुद्ध एवं सात्विक वातावरण सबका मन मोहता है। आज का दिन अद्भुत है, आज गुड़ी पड़वा है। इस दिन विक्रम संवत का प्रारम्भ हुआ। सम्राट विक्रमादित्य ने उस काल में शको और हुणों को पराजित कर विजयी भारत की नींव रखी। हमें यह याद रखना चाहिये कि हमारी संस्कृति हजारों वर्ष पुरानी है। सनातन नया वर्ष आज प्रारम्भ हो रहा है और इसी दिन वर्ष 2005 से हमने विक्रमोत्सव मनाना शुरू किया था। आज ही के दिन अवन्तिका का गौरव दिवस मनाया जा रहा है। उज्जैन का गौरव सबको गौरवान्वित करता है। उज्जैन की अपनी धार्मिक एवं सांस्कृतिक पहचान है जो युगों से पल्लवित होती रही है। सृष्टि के आरम्भ से ही उज्जयिनी का अस्तित्व माना जाता है। युग बदलते गये और उज्जैन को उज्जयिनी, अवन्तिका, कनकश्रृंगा आदि नामों से जाना जाता रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि गरूड़ पुराण में उज्जैन को सर्वश्रेष्ठ नगरी बताया गया है। वहीं अग्निपुराण में उज्जयिनी को मोक्षदा कहा गया है। पार्वती माँ के कहने पर भगवान शिव ने उज्जयिनी नगरी बसाई थी। इसीलिये उज्जयिनी नगरी को विशाला भी कहते हैं। मुख्यमंत्री श्री चौहान बुधवार को उज्जैन के गौरव दिवस तथा भारत उत्कर्ष नवजागरण और वृहत्तर भारत की सांस्कृतिक चेतना पर एकाग्र विक्रमोत्सव में शामिल हुए ?शिप्रा तट (दत्त अखाड़ा घाट) पर आयोजित कार्यक्रम में प्रसिद्ध पार्श्व गायक शान और उनके दल की भव्य संगीत निशा हुई। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि उज्जैन में श्रीमहाकाल लोक के निर्माण से न केवल मध्यप्रदेश अपितु देश में उज्जैन का नाम गौरवांवित हुआ है। पूरे विश्व में भारत और श्रीमहाकाल लोक छाये हुए हैं। विदेशी पर्यटक भी उज्जैन आ रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि जुलाई माह तक श्रीमहाकाल लोक का दूसरा भाग तैयार हो जायेगा। मध्यप्रदेश आगे और भी नये आयाम स्थापित करेगा। यह नया मध्यप्रदेश है। श्रीमहाकाल लोक के बाद ओरछा में श्रीराम लोक, चित्रकूट में वनवासी लोक और सलकनपुर धाम में देवी लोक बनायेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि हम अपनी संस्कृति और परम्परा न भूलें। इसको स्थापित करने के लिये अपना सर्वस्व योगदान दें। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने गौरव दिवस पर जय श्रीमहाकाल स्तुति गीत के पूर्ण संस्करण को लांच कर बाबा महाकाल को समर्पित किया। प्रख्यात बॉलीवुड सिंगर पद्मश्री कैलाश खेर, पद्मश्री शंकर महादेवन, पद्मश्री सोनू निगम एवं अरिजीत सिंह ने गीत में अपनी आवाज दी है।

स्टोरी

फिजियोथेरेपी है असरदार

फिजियोथेरेपी का चलन आजकल बढ़ता जा रहा है। कई प्रकार की बीमारियों का उपचार इससे हो रहा है। घुटनों, पीठ या कमर में दर्द जैसे कई रोगों से बचने या निपटने के लिए बिना दवा खाए फिजियोथेरेपी के जरिये असरदार इलाज कराया जा सकता है।मौजूदा समय में अधिकांश लोग दवाइयों से बचने के लिए फिजियोथेरेपी की ओर रुख कर रहे हैं, क्योंकि यह न केवल कम खर्चीला होता है, बल्कि इसके दुष्प्रभाव की आशंका न के बराबर होती है।

प्रशिक्षित फिजियोथेरेपिस्ट द्वारा व्यायाम के जरिए शरीर की मांसपेशियों को सही अनुपात में सक्रिय करने की विधा फिजियोथेरेपी कहलाती है। इसे हिंदी में भौतिक चिकित्सा पद्धति कहा जाता है। घंटों लगातार

कुर्सी पर वक्त बिताने, गलत मुद्रा में बैठने और व्यायाम या खेल के दौरान अंदरूनी खिंचाव या जख्मों की हीलिंग के लिए फिजियोथेरेपिस्ट की सेवा लेने की सलाह खुद चिकित्सक भी देते हैं! विशेजषज्ञों का कहना है कि सबसे पहले यह बताना जरूरी है कि केवल रोगी ही नहीं, बल्कि स्वस्थ्य लोग भी ठीक रहने के लिए फिजियोथेरेपिस्ट की सलाह ले सकते हैं। मौजूदा समय में फिजियोथेरेपी काफी लोकप्रिय हुई है। इसकी लोकप्रियता और भरोसे का कारण यह भी है कि बाकी इलाज पद्धतियों से अलग फिजियोथेरेपी उच्च पेशेवर लोग ही करते हैं। अस्थमा और फ्रैक्चर पीड़ितों के अतिरिक्त गर्भवतियों को भी फिजियोथेरेपी की सलाह दी जाती है। लगभग देश के हर बड़े अस्पताल में फिजियोथेरेपी की जाती है। वहीं, बुजुर्गों, मरीजों और कामकाजी लोगों के लिए घर तक फिजियोथैरेपी की सेवा पहुंचाने का भी चलन बढ़ा है। इसकी खास बात है कि फिजियोथेरेपिस्ट मरीज पर व्यक्तिगत तौर पर ध्यान देता है जो किसी हॉस्पिटल या क्लीनिक में संभव नहीं है। पेशवरों की निगरानी में व्यायाम कार्यक्रमों के चलन ने भी घर पर उपलब्ध होने वाली फिजियोथेरेपी सेवा की लोकप्रियता बढ़ा दी है। आपको फिजियोथेरेपी का लंबे समय तक फायदा मिले तो इसके सभी सत्र पूरे किए जाने जरूरी हैं। फिजियोथेरेपी शुरू करने से पहले उसकी अवधि की जानकारी ले लेनी चाहिए।

टीम अब तक लिमिटेड ओवर्स के फॉर्मेट में 6 बार 10 विकेट के अंतर से मैच हारी

38 महीने में चौथी बार 10 विकेट से हारा भारत, इससे पहले लगे थे 46 साल

नई दिल्ली

ऑस्ट्रेलिया ने भारत को दूसरे वनडे में 10 विकेट से हरा दिया। इस हार के साथ टीम इंडिया ने पिछले 3 साल में वनडे और टी-20 फॉर्मेट मिलाकर चौथी बार 10 विकेट से मैच गंवाया। भारत ने 1974 में वनडे और 2006 में टी-20 खेलना शुरू किया। 2019 तक 46 सालों में भारत ने केवल 4 ही बार इन 2 फॉर्मेट में 10 विकेट के अंतर से हार झेली थी। लेकिन, पिछले 38 महीनों में टीम इंडिया ने इस आंकड़े को दोगुना कर लिया।

पड़ोसी देश पाकिस्तान भी इस मामले में हमसे बेहतर है। टीम अब तक लिमिटेड ओवर्स के फॉर्मेट में 6 ही बार 10 विकेट के अंतर से मैच हारी है। आगे स्टोरी में हम जानेंगे कि टेस्ट प्लेइंग नेशंस के 12 देशों में किस टीम ने सबसे ज्यादा बार 10 विकेट के अंतर से व्हाइट बॉल क्रिकेट मैच गंवाए हैं। भारत को किन टीमों ने इस अंतर से हराया और कुछ इंटरेस्टिंग आंकड़ों पर भी नजर डालेंगे।

टीम इंडिया ने वनडे में 1028 और टी-20 में 199 मुकाबले खेले हैं। वनडे में 6 और टी-20 में टीम को 2 बार 10 विकेट से हार झेलनी पड़ी। इनमें से 4 टीम को पिछले 38 महीनों

के दौरान देखने को मिली। वनडे में दोनों बार ऑस्ट्रेलिया और टी-20 में इंग्लैंड और पाकिस्तान ने टीम को टी-20 वर्ल्ड कप में इस अंतर से हराया। 1974 से 2019 तक टीम इंडिया को दोनों फॉर्मेट में 4 ही बार इस अंतर से हार झेलनी पड़ी थी। इनमें साउथ अफ्रीका ने सबसे ज्यादा 2 और वेस्टइंडीज-न्यूजीलैंड ने हमें एक-एक बार हराया था। लेकिन अब ऑस्ट्रेलिया ने भी हमें 2 बार इस अंतर से हरा दिया है।

विराट के लिए टेस्ट है बेस्ट, डिविलियर्स ने लिया किंग कोहली का इंटरव्यू

भारतीय क्रिकेट टीम के स्टार क्रिकेटर विराट कोहली ने मंगलवार को एबी डिविलियर्स के साथ यूट्यूब पर द 360 शो के लिए लाइव सेशन किया। इस दौरान एबी और कोहली के बीच कई इवेंट्स को लेकर बातचीत हुई। कोहली ने अपनी पर्सनल से लेकर प्रोफेशनल लाइफ के बारे में बातचीत की। कोहली ने बताया कि वे टेस्ट क्रिकेट को ज्यादा सम्मान देते हैं। इसलिए अब टेस्ट में शतक लगाने के बाद शतक का असली सूखा खत्म हुआ है। साथ ही विराट ने अपनी पर्सनल लाइफ के बारे में भी बातें की। उन्होंने कहा कि मैं जब पहली बार अनुष्का से मिला, तो नर्वस हो गया और पूछा, इससे ऊंची हील नहीं पहन सकती थी।

मुंबई ने 4 विकेट से जीता आखिरी मैच, WPL फाइनल की ओर मजबूत कदम बढ़ाया

मुंबई

मुंबई इंडियंस ने विमेंस प्रीमियर लीग में अपना आखिरी लीग मैच आसानी से जीत लिया है। टीम ने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु को 4 विकेट से हराया। मुंबई के डीवाई पाटिल स्टेडियम में मिली इस जीत से MI ने लीग के पहले सीजन के फाइनल की ओर मजबूत कदम बढ़ा दिया है। टीम ने छठी जीत दर्ज की है। पॉइंट टेबल में टीम के खाते में कुल 8 मुकाबलों के बाद 12 अंक हैं। मंगलवार को मुंबई ने टॉस जीता और बेंगलुरु को बल्लेबाजी करने का न्योता दिया। बेंगलुरु ने पहले खेलते हुए 20 ओवर में 9 विकेट पर 125 रन बनाए। जवाब में मुंबई की बल्लेबाजों ने 126 रनों का टारगेट 16.3 ओवर में छह विकेट खोकर हासिल कर लिया। न्यूजीलैंड की ऑलराउंडर अमीलिया केर ने दोहरा प्रदर्शन किया। केर ने पहले तो बेंगलुरु को तीन विकेट दिए। फिर अहम मौके पर 31 रनों की नाबाद पारी खेलकर अपनी टीम को जीत दिला दी।

दिल्ली-यूपी मैच से तय होगा पहला फाइनलिस्ट

लीग का पहला फाइनलिस्ट दिल्ली और यूपी मैच से तय होगा, जो ब्रेबोर्न स्टेडियम में थोड़ी देर में खेला जाएगा। वर्तमान में मुंबई पॉइंट टेबल के टॉप पर है। उसके 12 अंक हैं, जबकि दिल्ली 10 अंकों के साथ उसका पीछा कर रही है। यदि दिल्ली यह मैच जीत लेती है, तो बेहतर रन रेट के आधार पर फाइनल के लिए क्वालिफाई कर लेगी और यदि दिल्ली की टीम हार जाएगी, तो मुंबई लीग की पहली फाइनलिस्ट बन जाएगी।

बता दें कि लीग मैचों के बाद पॉइंट टेबल के टॉप पर रहने वाली टीम सीधा फाइनल में प्रवेश करेगी, जबकि दूसरे और तीसरे नंबर की टीम के बीच 24 मार्च को डीवाई पाटिल स्टेडियम में एलिमिनेटर खेला जाएगा।

कारोबार

बाजार भाव

किराना :- शक्कर 3550-3570, खोपरा गोला 120-140, खोपरा बूरा 2200-4200 (15 कि.ग्रा.), जीरा राजस्थान 290-300, ऊंझा हल्का 290-295, मीडियम 310-325, बेसट 350-360, हल्दी निजामाबाद 100-120, सांगली 160-162, साबूदाना हल्का 6200-6250, मीडियम 6300-6400, बेस्ट 6500-6600, सच्चा मोती 6875, सौंफ मोटी 160-180, मीडियम 185-200, बेस्ट 220-250, सौंफ बारी?क 190-225, कालीमिर्च एटम 545-555, गरबल 527-533, मटर दाना 575-590, खसखस अनक्लीन 675-950, क्लीन 1150-1350, दालचीनी 250-275, बेस्ट 300, जायफल 675-700, बेस्ट 725-750, वाद्यान फूल 675-750, शाहजीरा 300-325, तेजपान 85-90, पत्थर फूल 325-375, बेस्ट 450-525, जावत्री 1950-2100, केसर 155-160, बेस्ट 168-170, सौंठ 190-225, धोली मूसली 975-1100, लौंग 680-710, बेस्ट 725-740, हींग (वनदेवी 751) 2600, पाउच 2650, 121 नं. दाना 2400, पाउच 2250, 111 नं. डिब्बी 2200, पाउच 2250, सिंघाडा 160-182, सिंदूर 6600, देशी कपूर 600-800, पूजा बादाम 90-100, बेस्ट 160-165, पूजा सुपारी 460-475, अरीठा 130-145, हरि इलायची शंकर 875-900, विरूद्ध नगर 1025-1075, मीडियम 1225-1325, बोल्ड 1425-1550, एक्ट्रा बोल्ड 1600-1825, पानबार 850-950, बड़ी इलायची 600-700, बेस्ट 725-875, तरबूज मगज 405-410, काजू (240) 650-660, काजू (320) 660-700, काजू डब्ल्यू वन 650-660, एस. डब्ल्यू (300) 650-660, एस.एस. डब्ल्यू 650-655, काजू जे.एच. 660-680, टुकड़ी 625-660, बादाम मगज 570-620, सिंगापुरी 580-590, अखरोट 385-425, बेस्ट 550-600, जर्दालु 250-350, बेस्ट 450-600, किशमिश कंधारी 375-475, बेस्ट 500-550, इंडियन 190-200, बेस्ट 240-260, चारौली 1200, बेस्ट 1250, मुनक्का 475-725, बेस्ट 775-850, अंजीर 675-1250, मखाना 425-650, बेस्ट 740-750, खारक 90-110, मीडियम 115-150, बेस्ट 160-175, एक्ट्रा बेस्ट 180-200, पिस्ता मोटा 1675-1725, कंधारी 1750-1900, गेहूँ आटा 1380-1400, मैदा कट्टा 1440-1460, रवा कट्टा 1480-1500, बेसन 3375 (50 कि.ग्रा.), नारियल (120) 1500-1550, (160) 1750-1800, (200) 1950-2000, (250) 2200-2250

तेल :- सींगदाना 1690-1700, मुम्बई 1690, राजकोट तेलिया 2660, सोया साल्वेंट 1030-1035, सोया रिफाइंड 1055-1060, कपास्या 960, धूलिया 965, कड़ी 965,

खली :- कपस्या खली (60 कि.ग्रा.) इन्दौर 1800, देवास-उज्जैन 1800, खंडवा-बुरहानपुर 1775, अकोला 2700 (प्रति क्विंटल)

तिलहन :- सरसो 5900-6000, रायडा 4700-4900, सोयाबीन 4800-5400, टोली (महुआ बीज) 4100-4150,

2022 में एंडी जेसी ने कहा था कि कंपनी 2023 तक एम्प्लॉइज को निकालना जारी रखेगी

अमेजन में फिर होगी छंटनी: ई-कॉमर्स कंपनी सेकंड राउंड की छंटनी में 9,000 एम्प्लॉइज को नौकरी से निकालेगी

नई दिल्ली

ई-कॉमर्स कंपनी अमेजन अगले कुछ हफ्तों में सेकंड राउंड की छंटनी में 9,000 एम्प्लॉइज को नौकरी से निकालने का प्लान बना रही है। अमेजन ने सोमवार (20 मार्च) को इस बात की अनाउंसमेंट की है। इससे पहले अमेजन बीते कुछ महीनों में 18,000 एम्प्लॉइज की छंटनी कर चुकी है।

अमेजन के CEO एंडी जेसी द्वारा एम्प्लॉइज को भेजे गए मेमो के अनुसार, कंपनी में ज्यादातर नौकरी में कटौती AWS (अमेजन वेब सर्विसेज), पीपल एक्सपीरियंस एंड टेक्नोलॉजी (PXT), एडवरटाइजिंग और ट्विच जैसे डिपाटर्मेंट्स में होगी।

स्ट्रेटेजिक एरियाज में हायरिंग करेगी अमेजन

जेसी ने कहा कि यह बहुत मुश्किल फैसला है, लेकिन कंपनी की लॉन्ग-टर्म सक्सेस के लिए यह जरूरी था। एंडी जेसी ने कहा कि अमेजन कुछ स्ट्रेटेजिक एरियाज में हायरिंग करेगी। अमेजन का फैसला कंपनी द्वारा पहले राउंड में 18 हजार एम्प्लॉइज की छंटनी करने की अनाउंसमेंट करने के ठीक 2 महीने बाद आया है। नवंबर 2022 में एंडी जेसी ने कहा था कि कंपनी 2023 तक एम्प्लॉइज को निकालना जारी रखेगी। तब कंपनी ने अनाउंसमेंट की थी कि वे डिवाइसेस, बुक्स बिजनेस और पीएक्सटी से कर्मचारियों को निकाल रहे हैं।

इसके बाद जेसी ने जनवरी में कहा था कि 18,000 एम्प्लॉइज की छंटनी की जाएगी। जिसमें से ज्यादातर छंटनी अमेजन स्टोर्स और पीएक्सटी डिपार्टमेंट्स से होगी।

10.89 लाख रुपए में नेक्स्ट जेन हुंडई वरना लॉन्च

नई दिल्ली। हुंडई मोटर इंडिया लिमिटेड ने आज (मंगलवार, 21 मार्च) को भारत में मिड-साइज सेडान सेगमेंट में अपनी नेक्स्ट जेनरेशन वरना लॉन्च की। इसकी शुरुआती कीमत 10.89 लाख रुपए है, जो टॉप एंड वैरिएंट में 17.38 लाख रुपए तक जाती है। इसमें 20 Kmph माइलेज मिलेगा।

मीडिया टाइकून रूपर्ट मर्डोक 92 साल में 5वीं शादी करेंगे

वॉशिंगटन

मीडिया टाइकून रूपर्ट मर्डोक 92 साल की उम्र में पांचवी बार शादी करने जा रहे हैं। रूपर्ट 66 साल की एन लेस्ली स्मिथ से शादी करेंगे। लेस्ली स्मिथ की भी ये तीसरी शादी होगी। इन दोनों की मुलाकात पिछले साल सितंबर के महीने में कैलिफोर्निया में हुई थी। दोनों की शादी गर्मियों में होने की संभावना है। रूपर्ट मर्डोक पिछले साल अपनी चौथी पत्नी से अलग हुए

थे। मर्डोक ने अपने खुद के मीडिया चैनलों में से एक न्यूयॉर्क पोस्ट से कहा, मैं प्यार में पड़ने से डरता था - लेकिन मुझे पता था कि यह मेरा आखिरी होगा। मैं खुश हूं। मर्डोक ने बताया कि उन्होंने सेंट पैट्रिक्स डे पर स्मिथ को प्रपोज किया था। वहीं एन लेस्ली स्मिथ ने कहा कि मैं 14 साल की विधवा हूं। रूपर्ट की तरह, मेरे पति चेस्टर स्मिथ एक बिजनेसमैन थे। मर्डोक की पहली तीन पत्नियों से छह बच्चे हैं। उन्होंने पिछले साल अपनी चौथी पत्नी से तलाक लिया था। 2016 में मर्डोक ने 85 साल की उम्र में 65 साल की मॉडल जेरी हॉल की शादी की थी।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक नागेश नरवरिया द्वारा जय माता प्रिंटर्स म.नं. 1 अमर दाल मिल के पास पेमदीपुरा चिकलोद रोड के पास बापू कालोनी जहांगीराबाद भोपाल मप्र से मुद्रित एवं म.नं. 51 एक्सटेंशन शिवलोक कॉलोनी फेस-3, खजूरी कलां रोड, तह. हुजूर जिला भोपाल से प्रकाशित। संपादक :- नागेश नरवरिया (समस्त विवादों का न्यायक्षेत्र भोपाल रहेगा।)